संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 222
पृष्ठ 8
शनिवार
02 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- महिलाओं को पुशअप्स से मिलते..

विचार- प्राइम मक्खन और कंधों पर...

खेल- व्यक्तिगत उपलब्धियों पर ध्यान नहीं...

अमित शाह ने कहा-

आत्मनिर्भर लद्दाख की ओर बढ़ते कदम!

नयी दिल्ली,एजेंसी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में श्वेत क्रांति (White Revolution) को नई ऊंचाई देने के लिए केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को करगिल में 10,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले एक आधुनिक डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र की आध ारशिला रखी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन श्आत्मनिर्भर भारतश के तहत शुरू की गई यह परियोजना लद्दाख के दुर्गम क्षेत्रों में दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगी। अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ये पहल पेश की गई हैं। इनमें मोबाइल दूध ा परीक्षण प्रयोगशालाएं, आधुनिक दूध शीतलन प्रणाली और डेयरी अवसंरचना को मजबूत करना शामिल है, ताकि केंद्र शासित प्रदेश में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल सके। अधिकारियों ने बताया कि 10,000 लीटर प्रतिदिन क्षमता वाला आधुनिक

डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र लगभग 25 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इंडियन डेयरी मशीनरी कंपनी द्वारा स्थापित किया जा रहा है। यह परियोजना मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (एनपीडीडी) के तहत लागू की जा रही है, जिसमें 12. 74 करोड़ रुपये का अनुदान, 10 करोड़ रुपये की सहायता राष्ट्रीय डेयरी विकास फाउंडेशन से और शेष राशि एलयूटीडीसीएफ फंड के माध यम से (हिमाचल प्रदेश प्रशासन के जरिये) उपलब्ध कराई जा रही है। यह संयंत्र 350 किलोवाट सौर ऊर्जा आधारित प्रणाली पर चलेगा जिससे ऊंचाई वाले इस क्षेत्र में स्वच्छ तथा टिकाऊ संचालन सुनिश्चित होगा। दूध संग्रह के लिए आधुनिक मोबाइल 'मिल्क कलेक्शन' एवं 'कूलिंग सिस्टम' स्थापित किया जाएगा जिससे किसानों से सीधे दूध संग्रह, गुणवत्ता संरक्षण और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। अधिकारियों ने कहा कि ये कदम लद्दाख के डेयरी क्षेत्र के आधुनिकीकरण, किसानों की आय बढ़ाने और खरीद प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा हैं। साथ ही बिजली से जुड़ी चुनौतियों को दूर करने, दूध संग्रह को सुव्यवस्थित करने और किसानों को समय पर डिजिटल भुगतान सुनिश्चित करने के उपाय भी किए गए हैं। भारतीय सेना के साथ नियमित दूध आपूर्ति व्यवस्था से इस क्षेत्र में डेयरी गतिविधि ायों को स्थिर बाजार मिला है जिससे संचालन की विश्वसनीयता बढ़ी है। डिजिटल सुधारों के तहत एआई आधारित निगरानी प्रणाली, मोबाइल दूध संग्रह इकाइयां और जलवायु अनुकूल शीतलन समाध ान लागू किए गए हैं ताकि गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहे। इन पहलों का असर अब दिखने लगा है। एक गांव के 74 किसानों से शुरू होकर अब यह नेटवर्क करीब 1,700 किसानों तक पहुंच गया है। दैनिक दूध संग्रह लगभग 7,000 लीटर तक पहुंच गया है और किसानों को कुल भुगतान 15 करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है। यह सौर ऊर्जा आधारित संयंत्र हजारों किसानों को प्रत्यक्ष लाभ देगा, उनकी आय बढ़ाएगा और स्थानीय कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत करेगा। अधिकारियों ने बताया कि मोबाइल प्रयोगशालाओं की तैनाती, कोल्ड चेन नेटवर्क का विस्तार और डिजिटल ऑटोमेटेड मिल्क कलेक्शन सिस्टम (एएमसीएस) को अपनाने जैसे कदम भी जारी हैं जिससे दक्षता बढ़ेगी। इसके अलावा पनीर और दही जैसे उत्पादों के जरिये मूल्य संवर्धन को बढ़ावा दिया जा रहा है। मदर डेयरी, सफल और धारा जैसे ब्रांडों के साथ साझेदारी कर उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराने की योजना है। यह कार्यक्रम सहकारी ढांचे के तहत बेहतर प्रदर्शन करने वाले किसानों को सम्मानित करने के साथ–साथ ग्रामीण विकास, आय स्थिरता एवं जीवन स्तर सुधार की दिशा में एक व्यापक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है।

भारत की कूटनीति में व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन पर फोकस

● प्रधानमंत्री ने 3टी का दिया नारा

नागपुर,एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने 11वें हेड्स ऑफ मिशन्स सम्मेलन में प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सम्मेलन का बेहतरीन क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की कूटनीति में व्यापार, प्रौद्योगिकी और पर्यटन यानी '3टी' की बढ़ती भूमिका को जिस स्पष्टता से रेखांकित किया, वह बेहद महत्वपूर्ण है। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि सम्मेलन में नेबरहुड फर्स्ट नीति, प्रवासी भारतीयों के साथ गहरे संबंध और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच डी–रिस्किंग यानी जोखिम कम करने की रणनीति पर भी विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार, व्यापार और टेक्नोलॉजी जगत के विशेषज्ञों के विचारों से सम्मेलन को व्यापक दृष्टिकोण मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित इस सम्मेलन में भारत की विदेश नीति के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि व्यापार, टेक्नोलॉजी और रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत कर भारत की वैश्विक भागीदारी को और सशक्त बनाने की जरूरत है, साथ ही प्रवासी भारतीयों से संबंधों को और गहरा करने पर भी बल दिया। यह 11वां मिशन प्रमुख सम्मेलन 28 से 30 अप्रैल तक नई दिल्ली के नेशनल एग्रीकल्चरल साइंस कॉम्प्लेक्स में आयोजित किया गया। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय 2047 के लिए भारतीय कूटनीति में सुधार रखा गया, जिसका उद्देश्य विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भविष्य की रणनीति तैयार करना था। सम्मेलन के दौरान भारत के राजदूतों, उच्चायुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों ने तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की कूटनीतिक पहुंच को और प्रभावी बनाने पर विचार–विमर्श किया। विभिन्न सत्रों में उभरती प्रौद्योगिकियों, भू–राजनीतिक बदलावों, व्यापार–तकनीक– पर्यटन (3टी) और भारत की वैश्विक छवि को मजबूत करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मिशन प्रमुखों को भविष्य के लिए तैयार कूटनीति, 3टी के विस्तार और भारत की वैश्विक कहानी को और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने पर मार्गदर्शन दिया।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को बड़ा राहत, असम सीएम की पत्नी के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी अग्रिम जमानत

नयी दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्व सरमा की पत्नी के पास कई पासपोर्ट और विदेश में कई अघोषित संपत्तियां होने संबंधी आरोप लगाने के मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को अग्रिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति जे. के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति ए. एस. चंदूरकर की पीठ ने कुछ शर्तों के साथ खेड़ा को अग्रिम जमानत देने का आदेश दिया। अदालत का आदेश शुक्रवार को वेबसाइट पर अपलोड किया गया। अदालत ने बृहस्पतिवार को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा था। अदालत ने कहा, ष्अपीलकर्ता (पवन खेड़ा) को अपराध शाखा थाने में दर्ज केस नंबर 04/2026 में अग्रिम जमानत दी जाती है। आरोपी को जांच अधिकारी द्वारा तय की गईं उचित शर्तों का पालन करना होगा। पीठ ने खेड़ा को जांच में सहयोग करने, जरूरत पड़ने पर थाने में पेश होने और जांच या मुकदमे के दौरान साक्ष्यों को प्रभावित या छेड़छाड़ न करने का निर्देश दिया। साथ ही, अदालत ने कहा कि खेड़ा बिना संबंधित अदालत की अनुमति के विदेश नहीं जा सकते और यदि अधीनस्थ अदालत आवश्यक समझे, तो वह अतिरिक्त शर्तें भी लगा सकती है। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के 24 अप्रैल के आदेश को चुनौती देने वाली खेड़ा की अपील को स्वीकार करते हुए न्यायालय ने कहा कि उच्च न्यायालय की टिप्पणियां उपलब्ध तथ्यों के सही आकलन पर आधारित नहीं थीं और विशेष रूप से आरोपी पर सबूत का बोझ डालना गलत प्रतीत होता है।शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 339 के तहत कोई स्पष्ट अपराध आरोपित किए बिना, केवल महाधिवक्ता के बयान के आधार पर की गई टिप्पणियां उचित नहीं लगतीं। मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने खुद पर आरोप लगने के बाद खेड़ा और अन्य के खिलाफ गुवाहाटी अपराध शाखा थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक मामला दर्ज कराया था। इससे पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय ने खेड़ा को सात दिन की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, लेकिन असम पुलिस ने इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। इसके बाद शीर्ष अदालत ने अंतरिम आदेश पारित कर ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी थी और खेड़ा को गुवाहाटी उच्च न्यायालय जाने के लिए कहा था।

अभिषेक सिंघवी पर बरसे हिमंत कहा- फर्जी दस्तावेजों से महिला का चरित्र हनन बर्दाश्त नहीं, ये तो बस शुरुआत

गुवाहाटी,एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी के बीच जुबानी जंग अब बेहद तल्ख हो गई है। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सिंघवी पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी से भी लोकतंत्र या सार्वजनिक विमर्श पर मर्यादा की सीख लेने की जरूरत नहीं है। मुख्यमंत्री सरमा ने सिंघवी को आड़े हाथों लेते हुए कहा, मुझे किसी से भी लोकतंत्र, सार्वजनिक संवाद या शालीनता पर सबक सीखने की आवश्यकता नहीं है, विशेष रूप से अभिषेक सिंघवी से। सरमा ने इस विवाद के केंद्र में एक महिला के सम्मान का मुद्दा उठाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राजनीतिक लाभ के लिए उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा को निशाना बनाया जा रहा है, जिनका राजनीति से कोई लेना–देना नहीं है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाते हुए कहा, श्असली मुद्दा एक महिला से जुड़ा है।

श्रमिकों को 5 लाख का बीमा मिलेगा : योगी

लखनऊ,संवाददाता। यूपी में 15 लाख श्रमिकों को 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा मिलेगा। शुक्रवार को सीएम योगी ने लखनऊ में मजदूर दिवस पर इसका ऐलान किया। सीएम ने कहा– हमने बचपन में देखा है कि लोग काम कराते थे, लेकिन जब पैसे देने की बारी आती थी तो भुगतान नहीं करते थे। अब सरकार ने तय किया है कि ऐसा नहीं चलेगा। अगर काम किया है तो काम का दाम भी देना पड़ेगा। जो काम का दाम नहीं देगा, उसका काम सरकार तमाम करेगी। पहले कुछ लोग गरीबों का राशन हड़प लेते थे। अब प्रदेश के 16 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। जो भी गरीबों के हक में डकैती डालता था, उसकी जगह अब हवालात में है। कोरोना की त्रासदी को याद करिए, विपक्षी नेता रजाई तानकर सो गए थे। कोई सामने नहीं आ रहा था। अगर कोई सामने आया तो वह

डबल इंजन की सरकार थी। सीएम योगी ने इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित श्रमवीर गौरव सम्मान समारोह में 5 श्रमिकों को टूलकिट (हेलमेट, बैग, टैबलेट) देकर सम्मानित किया। अटल आवासीय विद्यालयों में टॉप करने वाले छात्र–छात्राओं को भी टैबलेट दिए। प्रयागराज–झांसी के अटल विद्यालय के हेडमास्टर को भी प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इससे पहले, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने 75 जिलों से आए 75 श्रमिकों से बात की। उन्होंने देसी अंदाज में पूछा कि तुम लोगन के लड़कन–लड़की अटल आवासीय विद्यालय मा पढ़ रहे हैं न? तुम्हार जी जुड़ान कि नाहीं। तुम्हार मजदूरी केहू नहीं हड़प सकत। केतनव बड़ा गुंडा होए, उसका इलाज हम करब। हमारी सरकार मा तुम लोगन के सम्मान की गारंटी है। उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए कोई सुरक्षा की गारंटी नहीं होती।

हम तैयारी कर रहे हैं कि उद्योगों में काम करने वाले श्रमिकों को 5 लाख का बीमा मिले। हम नहीं चाहते कि किसी के साथ कोई घटना हो। लेकिन, विपरीत परिस्थितियों में उनके परिवार को मदद मिलनी चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश के एक करोड़ श्रमिकों को आयुष्मान योजना के तहत हेल्थ कार्ड मिलेगा। हम इस दिशा में काम कर रहे हैं। जो लोग समृद्धि के विरोधी हैं, विकास के विरोधी हैं, वो नहीं चाहते कि हम उन्नति करें। वो बहकाएंगे लेकिन हमें बहकना नहीं है। याद रखना– जहां औद्योगिक अशांति हुई है, वहां खंडहर के सिवाय कुछ नहीं बचा। हमें किसी भी स्थिति में औद्योगिक अशांति नहीं होने देना है। दीं, गर्मी, बरसात कोई भी मौसम हो, श्रमिक लगे रहते हैं। इसके बावजूद वे अभाव में जीते हैं। वे हमारे लिए घर बनाते थे, लेकिन विडंबना है कि हम अब तक उनके लिए घर नहीं दे पाए। जो श्रमिक दूसरों के लिए इज्जतघर बनाते थे, उनकी इज्जत सड़कों पर थी। जो दूसरों के बच्चों के लिए स्कूल बनाते थे, उनके बच्चे खुद मुख्यधारा से अलग थे। याद करिए कोरोना की त्रासदी को, विपक्षी नेता रजाई तानकर सो गए थे। कोई सामने नहीं आ रहा था। अगर कोई सामने आया तो वह थी डबल इंजन की सरकार। हमने 14 हजार बसें एनसीआर में भेजीं। आदेश दिया कि कोई भी श्रमिक उत्तर प्रदेश आएगा, उसके लिए आवास, रहना–खाना एकदम फ्री में रहना चाहिए। उस समय 1 करोड़ लोगों को रहने की व्यवस्था की। सबका राशन कार्ड बनवाया गया। पहले 15 दिन, फिर जब तक कोरोना काल चला तब तक उन्हें फ्री में राशन दिया। उसके बाद वह राशन अब तक जारी है। आपके बच्चे पढ़ाई से वंचित नहीं रहेंगे। उनके लिए अटल आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जहां सीबीएसई बोर्ड की भी पढ़ाई कराई जा रही है।

लद्दाख के लोगों की मांग पर चुप हैं शाह : कांग्रेस

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने गृह मंत्री अमित शाह के लद्दाख दौरे को लेकर शुक्रवार को उन पर निशाना साधते हुए कहा कि वह पिपरहवा अवशेषों की महिमा में मग्न हैं, लेकिन वह लद्दाख के लोगों की राज्य के दर्जे, संविधान की छठी अनुसूची के तहत संरक्षण प्रदान करने तथा भूमि एवं रोजगार की सुरक्षा संबंधी मांगों पर चुप हैं। कांग्रेस महासचिव एवं संचार प्रभारी जयराम रमेश ने भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा जुलाई 1949 में किए लद्दाख दौरे का भी जिक्र किया। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, गृह मंत्री आज लद्दाख में पिपरहवा अवशेषों की महिमा में मग्न हैं लेकिन वह वहां के लोगों की राज्य के दर्जे, संविधान की छठी अनुसूची के तहत दर्जा तथा भूमि एवं रोजगार की सुरक्षा की मांगों पर चुप हैं। रमेश ने कहा कि शाह को लद्दाख में पहले हुए ऐसे आयोजनों की जानकारी नहीं होगी।

चुनाव खत्म, महंगाई शुरू

नई दिल्ली,एजेंसी। व्यवसायिक सिलिंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने व्यवसायिक सिलिंडर की कीमतों में उछाल के मुद्दे पर सरकार पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा, श्महंगाई मैन मोदीश का चाबुक फिर चला। आज कमर्शियल सिलिंडर 993 रुपए महंगा हुआ। मोदी ने पिछले 4 महीने में कमर्शियल सिलिंडर के दाम इस तरह बढ़ाए।

कांग्रेस ने कहा, श्कमर्शियल सिलिंडर सिर्फ 4 महीने में 1,518 रुपए महंगा हो गया। अभी साल के 8 महीने बाकी हैं। मोदी की वसूली जारी है...। मोदी सरकार सिर्फ वसूली करना जानती है। अब 5 किलो वाला छोटू सिलिंडर भी महंगा कर दिया। पहले आध ार कार्ड पर सिलिंडर बांटे, फिर उसका दाम बढ़ा दिया। ये बड़े चालबाज लोग हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कमर्शियल सिलिंडर के दाम बढ़ने पर सरकार को आड़े हाथों लिया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा पोस्ट में लिखा, श्कह दिया था– चुनाव के बाद महंगाई की गर्मी आएगी। आज कमर्शियल गैस सिलिंडर 993 रुपये महंगा। एक ही दिन में सबसे बड़ी बढ़ोतरी। यह चुनावी बिल है। फरवरी से अब तक 1380 रुपये की बढ़ोतरी हुई और सिर्फ 3 महीनों में 81 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। चायवाला, ढाबा, होटल और बेकरी, हलवाई– हर किसी की रसोई पर बोझ बढ़ा और इसका असर आपकी थाली पर भी पड़ेगा। पहला वार गैस पर, अगला वार पेट्रोल–डीजल पर। कमर्शियल सिलिंडर की कीमतों में एक मई से बड़ा इजाफा हुआ है। अब दिल्ली में 19 किलो के कमर्शियल सिलिंडर की कीमत 993 रुपये बढ़कर 3071.50 रुपये हो गई है। हालांकि घरेलू सिलिंडर की कीमतों में कोई इजाफा नहीं हुआ है और घरेलू गैस का 14.2 किलो का सिलिंडर दिल्ली में 913 रुपये का ही मिल रहा है।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियां आमतौर पर हर महीने की शुरुआत में एलपीजी की कीमतों की समीक्षा करती हैं। पश्चिम एशिया संकट के चलते मई से एलपीजी की कीमतों में वृद्धि की आशंका थी। होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी होने के चलते दुनियाभर में 20 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिसका असर तेल और गैस की कीमतों पर पड़ रहा है।

जब तक बेटियां घर न पहुंचें, तब तक नहीं सोएगी पुलिस–सम्राट चौधरी

नालंदा, एजेंसी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शुक्रवार को नालंदा जिले के परनावा गांव पहुंचे, जहां उन्होंने शरण निवास बाबा महतो साहब की जन्मस्थली पर आयोजित राजकीय मेले का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए करीब 14 मिनट के अपने संबोध ान में मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार के भविष्य के विजन को साझा किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। शिक्षा व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव का संकल्प दोहराते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार हर ब्लॉक में उच्च गुणवत्ता वाले मॉडल स्कूल और कॉलेज विकसित करेगी। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में शिक्षा का स्तर इतना बेहतर होगा कि बड़े अधिकारी और राजनेता भी अपने बच्चों का वहां दाखिला कराने के लिए उत्सुक होंगे। उन्होंने कहा कि जिस दिन इन स्कूलों में एडमिशन के लिए पैरवी आने लगेगी, उसी दिन वे मानेंगे कि सरकार का सपना पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए पुलिस प्रशासन को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक बेटियां स्कूल–कॉलेज से सुरक्षित घर नहीं लौट आतीं, तब तक पुलिस चौन की नींद नहीं सोएगी। आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए उन्होंने घोषणा की कि आगामी 19 मई से हर पंचायत में अधि ाकारी बैठेंगे, जो ब्लॉक, अंचल और थाने से जुड़ी जन शिकायतों का मौके पर ही निपटारा करेंगे।

सीआरपीएफ जवान के बेटे ने यमुना पुल से लगाई छलांग, छह घंटे बाद मिला शव

प्रयागराज। नए यमुना पुल से बृहस्पतिवार दोपहर सीआरपीएफ के जवान के बेटे अंश प्रताप सिंह (21) ने छलांग लगाकर जान दे दी। घटना से पहले उसने बाइक को रोड पर छोड़ दिया। करीब साढ़े छह घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाकर शव बाहर निकाला गया। नए यमुना पुल से बृहस्पतिवार दोपहर सीआरपीएफ के जवान के बेटे अंश प्रताप सिंह (21) ने छलांग लगाकर जान दे दी। घटना से पहले उसने बाइक को रोड पर छोड़ दिया।

करीब साढ़े छह घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाकर शव बाहर निकाला गया। पुलिस जांच में पारिवारिक कलह की बात सामने आ रही है। मूलरूप से प्रतापगढ़ के थाना मानधाता गांव गाजीपुर के सीआरपीएफ जवान विजय प्रताप सिंह का परिवार शांतिपुरम में रहता है। अंश घर का इकलौता बेटा था। घर में माता–पिता के अलावा छोटी बहन है। वह किसी कॉलेज से एमबीए की पढ़ाई करता था। बृहस्पतिवार सुबह वह परिजनों से कहकर निकला कि वह बाइक से घूमने जा रहा है, थोड़ी देर में वापस आ जाएगा। दोपहर करीब दो बजे वह नए यमुना पुल पहुंचा और नदी में छलांग लगा दी। घटना के बाद आसपास के लोगों ने शोर मचाया। मौके पर पहुंची कीडगंज पुलिस ने जल पुलिस के साथ रेस्क्यू अभियान चलाया। जिसके बाद रात करीब 8.30 बजे अंश का शव मिला।

उमाकांत यादव के इलाज मामले में सीएमओ से रिपोर्ट तलब, हाईकोर्ट ने दिया आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हृदय रोग से पीड़ित पूर्व सांसद उमाकांत यादव के इलाज मामले में सीएमओ से रिपोर्ट तलब की है। यह भी स्पष्ट करने के लिए कहा है कि याची का दिल का ऑपरेशन हुआ है या नहीं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हृदय रोग से पीड़ित पूर्व सांसद उमाकांत यादव के इलाज मामले में सीएमओ से रिपोर्ट तलब की है। यह भी स्पष्ट करने के लिए कहा है कि याची का दिल का ऑपरेशन हुआ है या नहीं। यह आदेश

न्यायमूर्ति विक्रम डी चौहान ने उमाकांत यादव की तीन जमानत अर्जियों पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि उमाकांत यादव हृदय एवं किडनी रोग से गंभीर पीड़ित हैं। उनका इलाज बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल में चल रहा था। उन्होंने कोर्ट से जमानत पर रिहाई की मांग करते हुए आग्रह किया कि अभिरक्षा में ही उनका ऑपरेशन लखनऊ के मेदांता अस्पताल में कराया जाए, जिसका पूरा खर्च याची स्वयं वहन करेगा। इससे पहले हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि उमाकांत यादव को बेहतर इलाज के लिए लखनऊ के मेदांता अस्पताल में स्थानांतरित किया जाए। इलाज की निगरानी की जिम्मेदारी सीएमओ को सौंपी थी। इसी आदेश के अनुपालन में उमाकांत यादव को पुलिस अभिरक्षा में लखनऊ भेजा गया। मेदांता अस्पताल में उनका ऑपरेशन प्रस्तावित था। कोर्ट ने इलाज की स्थिति स्पष्ट करने के लिए सीएमओ से रिपोर्ट मांगी है। मामले की अगली सुनवाई के लिए 20 मई की तिथि निर्धारित की है।

अपमान का इरादा न हो तो जाति से संबोधन एससी/एसटी एक्ट का अपराध नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि अपमान करने का इरादा न हो तो जातिसूचक शब्द से बुलाना अनुसूचित जाति एवं जनजाति एक्ट (एससी/एसटी) के तहत अपराध नहीं माना जा सकता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा है कि अपमान करने का इरादा न हो तो जातिसूचक शब्द से बुलाना अनुसूचित जाति एवं जनजाति एक्ट (एससी/एसटी) के तहत अपराध नहीं माना जा सकता। अदालत ने यह भी कहा कि ऐसे

मामलों में बिना पर्याप्त साक्ष्य के मुकदमा जारी रखना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग है। न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह ने सिद्धार्थ नगर निवासी अमय पांडेय और तीन अन्य की अपील पर सुनवाई करते हुए उनके खिलाफ दर्ज एससी/एसटी एक्ट के तहत चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि मारपीट और गाली–गलौज से जुड़े अन्य आरोपों में आपराधिक मुकदमा जारी रहेगा। याचिकाकर्ताओं की ओर से दलील दी गई कि प्राथमिकी में जातिसूचक अपमान का कोई उल्लेख नहीं था। बाद में धारा 161 के बयान में आरोप जोड़े गए। इस संबंध में कोई ठोस साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किया गया। मेडिकल रिपोर्ट भी आरोपों का समर्थन नहीं करती। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद पाया कि अभियोजन पक्ष आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करने में विफल रहा है।

दीवान का शराब पीते वीडियो वायरल

प्रयागराज। सोशल मीडिया पर एक पुलिसकर्मी का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें कोतवाली में तैनात एक दीवान को सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते दिख रहा है। हालांकि, अमर उजाला इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति दीवान से बातचीत करता दिखाई देता है। बातचीत के दौरान जब वर्दी की गरिमा को लेकर सवाल किया जाता है, तो दीवान कहते हैं कि वर्दी की देन है जिसकी वजह से वह शराब पी रहा है। वहीं कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक नितेंद्र शुक्ला ने बताया कि दीवान पिछले करीब 10 दिनों से अवकाश पर है।

प्रयागराज से सोनभद्र तक बनेगा 330 किमी लंबा विंध्य एक्सप्रेसवे, 84 गांवों की जमीन का होगा अधिग्रहण

प्रयागराज। गंगा एक्सप्रेसवे के बाद प्रयागराज वासियों को अब विंध्य एक्सप्रेसवे का तोहफा मिलने जा रहा है जो उत्तर प्रदेश को चार राज्यों की सीमा से जोड़ेगा और यह गंगा एक्सप्रेसवे से लिंक होगा। इस पर जल्द ही काम शुरू होने की उम्मीद है।

गंगा एक्सप्रेसवे के बाद प्रयागराज वासियों को अब विंध्य एक्सप्रेसवे का तोहफा मिलने जा रहा है जो उत्तर प्रदेश को चार राज्यों की सीमा से जोड़ेगा और यह गंगा एक्सप्रेसवे से लिंक होगा। इस पर जल्द ही काम शुरू होने की उम्मीद है।

विंध्य एक्सप्रेसवे के लिए जिन गांवों की जमीन का अधिग्रहण किया जाना है उनमें सोरांव तहसील का गांव जुड़ापुर दांदू भी शामिल हैं और इसी गांव में गंगा एक्सप्रेसवे का अंतिम छोर है जिसका उद्घाटन बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई से किया। प्रयागराज से सोनभद्र तक तकरीबन 330 किमी लंबा प्रस्तावित विंध्य एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश को चार राज्यों की सीमा से जोड़ेगा।

सोनभद्र से चार राज्यों बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और झारखंड की सीमा जुड़ी है। ऐसे में दिल्ली व पश्चिमी यूपी की ओर से गंगा एक्सप्रेसवे आने वाले लोगों को सोरांव के जुड़ापुर दांदू में विंध्य एक्सप्रेसवे का लिंक मिल जाएगा। इससे समय और दूरी दोनों की बचत होगी। साथ ही व्यापार व पर्यटन की दृष्टि से भी यह काफी महत्वपूर्ण साबित होगा।

यह एक्सप्रेस प्रयागराज में सोरांव, फूलपुर, हंडिया तहसील के रास्ते होते हुए मिर्जापुर और सोनभद्र तक जाएगा। एक्सप्रेसवे के लिए तीन तहसीलों के जिन 84 गांवों में जमीन का अधिग्रहण किया जाना है, उनमें तहसील सोरांव के 29, फूलपुर के 24 और तहसील हंडिया के 31 गांव हैं। जिला प्रशासन की ओर से इन गांवों की सूची तैयार की जा चुकी है।

इन गांवों में होगा जमीन का अधिग्रहण

तहसील सोरांव

खमकरनपुर, सरांय अर्जुन उर्फ हरिमडिला, गोपालपुर, बारी, शाहवपुर, जुड़ापुर दांदू, नारायनपुर, अलीपुर, सरांय लाल खातून उर्फ शिवगढ़, मलाक चतुरी, सराय भोगी, कल्याणपुर उर्फ जंगलपुर, सरांय वसिंह उर्फ सरांय बाहर, गोहरी, वजीराबाद, चक झांखर राम, उदयचंद्रपुर, मटियारा, बिगहरिया, टिकरी तालुके पंड़िला, मरियमपुर, तिल्हापुर उर्फ नाहरपुर, बनकेसर, बभनपुर डेरागदाई, ताजउद्दीनपुर, बड़नपुर, थरवई, निंदूरा, डेरागदाई

तहसील फूलपुर

लखरांवा, कुसुंगुर, मलाका मय भैसाही, पुरुषोत्तमपर उर्फ गारापुर, बेरुई, देवरिया, मथुरा उर्फ पानडीह, शुकुलपुर, सोपरावारी, बेलवा, दामोदरपुर अबूसईद उर्फ पूरे मियां, चक मोहम्मद उर्फ पूरे सूदी, रामपुर मय केशवराय मनिकापुर

तहसील हंडिया

हेबतपुर, सराय मांद, अजेहरा, डुढुआ, रामपुर, गुलचपा, देवली, बरियारी, दलपतपुर, जनुवाडीह कला, गुरगो, प्रतापपुर कलां, हिरामनपुर, मोइनउद्दीनपुर, शहाबपुर, सराय ममरेज, काजीपुर साथर, भदारी, सैदहासाथर, मडियारवारी, वारी, मड़वा, मडियारी ता. छनौता, पुरेमिश्र, भोजराजा, नीबीवारी, बसेगित, देवबरा, पुरसतभामा, महाराजपुर

यूपी बोर्ड के छात्र भी दे सकेंगे इम्प्रूवमेंट परीक्षा, कम नंबर पाए छात्र बढ़ा सकेंगे अंक

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में कम नंबर पाए विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। वह इम्प्रूवमेंट परीक्षा देकर अपने नंबर बढ़ा सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 में कम नंबर पाए विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। वह इम्प्रूवमेंट परीक्षा देकर अपने नंबर बढ़ा सकेंगे। बोर्ड ने शासन को इम्प्रूवमेंट परीक्षा कराने का प्रस्ताव भेजा है। उम्मीद है कि जल्द ही मंजूरी मिल जाएगी। इसके अलावा छात्रों को स्क्रूटनी (पुनर्मूल्यांकन) और कंपार्टमेंट परीक्षा के जरिये भी अपनी स्थिति सुधारने का अवसर मिलेगा। इन प्रक्रियाओं की शुरुआत एक मई से होने जा रही है, जबकि कंपार्टमेंट परीक्षा जुलाई में प्रस्तावित है। वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षा में कुल 53,37,778 परीक्षार्थी पंजीकृत थे।

हाईस्कूल में 26,01,381 छात्र परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 23,52,181 पास हुए और 2,49,200 फेल हो गए। वहीं इंटरमीडिएट में 24,86,072 परीक्षार्थियों में से 19,98,317 उत्तीर्ण हुए, जबकि 4,87,755 असफल रहे। हालांकि, बोर्ड ने स्क्रूटनी का विकल्प दिया है, लेकिन प्रति विषय 500 रुपये शुल्क होने के कारण आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के सामने चुनौती बनी हुई है।

ऐसे में कंपार्टमेंट और प्रस्तावित इम्प्रूवमेंट परीक्षा उनके लिए अधिक व्यावहारिक विकल्प साबित हो सकते हैं। इन कदमों से छात्रों को न केवल मानसिक राहत मिलेगी, बल्कि उन्हें अपने शैक्षणिक भविष्य को दोबारा संवारने का मौका भी मिलेगा। माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह ने स्पष्ट किया कि किसी भी छात्र का भविष्य खराब नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्क्रूटनी की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और कंपार्टमेंट परीक्षा की प्रक्रिया भी एक–दो दिन में शुरू कर दी जाएगी। साथ ही, इम्प्रूवमेंट परीक्षा के प्रस्ताव को मंजूरी मिलते ही छात्रों को एक और अवसर प्रदान किया जाएगा।

2026 का रिजल्ट

हाईस्कूल – कुल 90.42 प्रतिशत उत्तीर्ण प्रतिशत

(संस्थागत 90.51, व्यक्तिगत 66.67 प्रतिशत शामिल)

– आंशिक विषयों की परीक्षा में विनियम के अंतर्गत 3286 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए

इंटरमीडिएट – संपूर्ण परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 80.39

(संस्थागत 80.47, व्यक्तिगत 77.54 प्रतिशत शामिल)

आंशिक विषयों की परीक्षा में विनियम के अंतर्गत 58134 परीक्षार्थी हुए शामिल

अब कैमरा खुद बताएगा खतरा, सेंटिनल एआई बना एआई से लैस स्मार्ट सुरक्षा गार्ड

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के संकल्प–2026 में झलवा स्थित विश्वविद्यालय के छात्रों ने सेंटिनल एआई नामक एक ऐसा होम सिक्योरिटी सिस्टम विकसित किया है जो पारंपरिक कैमरों को सिर्फ रिकॉर्डिंग डिवाइस नहीं रहने देता बल्कि उन्हें खतरे को पहचानने वाला स्मार्ट गार्ड बना देता है। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के संकल्प–2026 में झलवा स्थित विश्वविद्यालय के छात्रों ने सेंटिनल एआई नामक एक ऐसा होम सिक्योरिटी सिस्टम विकसित किया है जो पारंपरिक कैमरों को सिर्फ रिकॉर्डिंग डिवाइस नहीं रहने देता बल्कि उन्हें खतरे को पहचानने वाला स्मार्ट गार्ड बना देता है। इस प्रोजेक्ट को हाल ही में शहर में आयोजित हैकदिवस में बेस्ट स्टार्टअप अवार्ड मिला। इस सिस्टम को यश गुप्ता, मिलिंद यादव और प्रज्ञा तिवारी ने बनाया है।

कैमरा जो खतरे को समझे

सेंटिनलएआई की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह सामान्य और संदिग्ध गतिविधियों के बीच फर्क कर सकता है। जैसे कोई सामान की डिलीवरी करने आता है तो यह उसे सामान्य विजिटर के रूप में पहचानता है। किसी संदिग्ध हरकत या अनजान व्यक्ति के आने पर तुरंत मोबाइल पर नोटिफिकेशन भेजता है और उपयोगकर्ता लाइव वीडियो भी देख सकता है।

घर से लेकर शहर तक सुरक्षा

सेंटिनलएआई का उपयोग केवल घरों तक सीमित नहीं है बल्कि इसे ऑफिस, सार्वजनिक स्थानों और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में भी इस्तेमाल किया जा सकता है। जहां यह संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान, घुसपैठ रोकने और साक्ष्य रिकॉर्ड करने में मदद करता है।

भविष्य की योजना

टीम का लक्ष्य इस तकनीक को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है ताकि हर कैमरा केवल देखने वाला नहीं बल्कि समझने और चेतावनी देना वाला सिस्टम बन सके।

फाल्ट और मरम्मत के चलते दिनभर कटी रही बत्ती

प्रयागराज। बमरौली डिवीजन में बृहस्पतिवार को दिन भर बिजली कटौती होती रही। बिजली नहीं होने से लोगों को पानी की किल्लत झेलनी पड़ी। झलवा के कई इलाकों में बिजली की दिनभर कटौती होती रही। कसारी मसारी, राजरूपपुर फल मंडी, 60 फीट रोड पर ट्रांसफॉर्मर केबल में फाल्ट के चलते कई इलाकों में बुधवार रात से बृहस्पतिवार दोपहर तक कटौती से लोग रहे परेशान रहे। सुलेमसराय के न्याय विहार, शेरवानी और जयरामपुर क्षेत्र में सुबह करीब तीन बजे सप्लाई में फाल्ट होने के कारण सुबह तक बिजली बाधित रही। 33 केवी की मुख्य लाइन फेल होने के कारण भी आपूर्ति प्रभावित रही। करेली सहित कई इलाकों में बिजली की दिनभर कटौती होती रही। केंद्रांचल उपकेंद्र से जुड़े क्षेत्रों में बुधवार रात करीब 2रू30 बजे से बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। सुबह के समय एलटी लाइन टूटने और न्याय नगर फीडर में आग लगने से स्थिति और बिगड़ गई। इसके अलावा एसटीपी मनोहरपुर फीडर को भी बंद करना पड़ा। कानपुर रोड, सुलेमसराय और धूमनगंज में 1.25 एमवीए केबल और ट्रांसफॉर्मर लगाने के कार्य के चलते बिजली आपूर्ति बाधित रही।

गिरफ्तारी का आधार न बताना और प्रिंटेड प्रोफार्मा पर रिमांड आदेश जारी करना अवैध

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि गिरफ्तारी के आधारों को लिखित रूप में न बताना और प्रिंटेड प्रोफार्मा पर रिमांड आदेश जारी करना अवैध है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया है कि गिरफ्तारी के आधारों को लिखित रूप में न बताना और प्रिंटेड प्रोफार्मा पर रिमांड आदेश जारी करना अवैध है। इस टिप्पणी के साथ कोर्ट ने धोखाधड़ी व जालसाजी के आरोपी को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने जोगेंद्र की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया। कानपुर नगर के किदवई नगर थाने में याची के खिलाफ रुपये लेकर नामी विश्वविद्यालयों की फर्जी डिग्री लोगों को उपलब्ध कराने के आरोप में एफआईआर दर्ज है। आरोपी जेल में बंद है और उसने गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए रिहा किए जाने की मांग करते हुए याचिका दायर की है। याची अधिवक्ता उदय भान सिंह ने दलील दी कि 19 फरवरी 2026 को याची की गिरफ्तारी मेमो व उसी दिन का रिमांड आदेश अवैध है। इनमें गिरफ्तारी के आधार का उल्लेख नहीं किया गया है और रिमांड आदेश प्रिंटेड प्रोफार्मा में है। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद पाया कि पुलिस की ओर से तैयार किए गए गिरफ्तारी मेमो और मजिस्ट्रेट की ओर से जारी रिमांड आदेश में गिरफ्तारी के ठोस कारणों का उल्लेख नहीं किया गया था। साथ ही रिमांड आदेश एक छपे हुए प्रोफार्मा पर यांत्रिक तरीके से पारित किया गया था, जिसे कोर्ट ने पूरी तरह से अवैध माना। अदालत ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के मिहिर राजेश शाह बनाम महाराष्ट्र राज्य और गौतम नवलखा बनाम एनआईए के मामलों में निर्धारित सिद्धांतों का हवाला देते हुए कहा कि यदि गिरफ्तारी की प्रक्रिया में कानूनी अनिवार्यताओं का पालन नहीं किया जाता है तो ऐसी हिरासत को शून्य माना जाएगा। इसके साथ ही कोर्ट ने याची को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है।

महाकुंभ भगदड़ में मृतकों के मुआवजा दावे पर 30 दिन के भीतर लें फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ में जान गंवाने वालों के परिजनों के मुआवजा दावे पर 30 दिन के भीतर फैसला लेने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने महाकुंभ के दौरान हुई भगदड़ में जान गंवाने वालों के परिजनों के मुआवजा दावे पर 30 दिन के भीतर फैसला लेने का आदेश दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि व्यक्तिगत मुआवजे के दावों का निस्तारण करना न्यायिक जांच आयोग के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। इसलिए प्रशासन जांच रिपोर्ट का इंतजार करने की बात कहकर मुआवजा नहीं रोक सकता। न्यायालय ने मेलाधिकारी को आदेश दिया कि वे याचिकाकर्ता के दावे पर अगले तीन सप्ताह के भीतर अंतिम निर्णय लें और अनुपालन हलफनामा दाखिल करें। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने प्रयागराज निवासी संजय कुमार शर्मा की याचिका पर दिया है। याची ने मौनी अमावस्या के दिन हुई भगदड़ में एक रिश्तेदार की मृत्यु पर मुआवजे की मांग करते हुए मेला प्रशासन के समक्ष आवेदन किया था। सुनवाई न होने पर याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि न्यायिक जांच आयोग के सचिव ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि मुआवजे के आवेदनों का निपटारा करना आयोग के कार्यक्षेत्र में नहीं आता। मेला प्रशासन को इसे अपने स्तर पर तय करना चाहिए। अदालत ने कहा कि जब राज्य सरकार स्वयं स्वीकार कर चुकी है कि भगदड़ में जनहानि हुई है और कुछ अन्य मृतकों के परिजनों को पहले ही मुआवजा दिया जा चुका है, तो याचिकाकर्ता के मामले में देरी का कोई औचित्य नहीं रह जाता। कोर्ट ने भविष्य के लिए भी यह सिद्धांत तय किया है कि मुआवजे के सभी दावों का सत्यापन जिला मजिस्ट्रेट या मेलाधिकारी को ही करना होगा। इसके लिए पुलिस की पंचनामा रिपोर्ट और मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से तैयार पोस्टमार्टम रिपोर्ट को पुख्ता साक्ष्य माना जाएगा। वर्तमान मामले में मृतक शिवा देवी का पोस्टमार्टम और पंचनामा रिकॉर्ड पर मौजूद है, जिसे प्रशासन ने चुनौती नहीं दी है। ऐसे में कोर्ट ने तीन सप्ताह में याची के दावे पर फैसला लेने का आदेश दिया है।

कलह से परेशान महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान, छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। सरायइनायत थाना क्षेत्र के सुदनीपुर खुर्द गांव में बृहस्पतिवार को रात पारिवारिक कलह में एक महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। महिला की हालत खराब होने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

सरायइनायत थाना क्षेत्र के सुदनीपुर खुर्द गांव में बृहस्पतिवार की रात एक महिला ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत खराब होने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला के मायके वालों की सूचना पर इलाकाई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गांव निवासी नबाब अली मुंबई में सिलाई का काम करता है। बृहस्पतिवार को रात उसकी पत्नी मुरादन बेगम (25) ने घर में रखा जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन आनन फानन में उसे झूंसी के एक अस्पताल में भर्ती कराया जहां इलाज के दौरान शुक्रवार को भोर में उसकी मौत हो गई। मायके वालों की सूचना पर एसीपी थरवई अरुण पराशर एसओ संजय कुमार गुप्ता पुलिस फोर्स एवं फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने मैके से साक्ष्य इकट्ठा किया। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। महिला के मायके वालों ने उसके ससुरालियों पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। अभी किसी ने तहरीर नहीं दिया है ।

समझौता रक्त रंजित मामलों को रफा–दफा करने का लाइसेंस नहीं, इस चलन से कानून के दुरुपयोग का खतरा

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने कहा कि अनुमति दी गई तो समझौतानामा को ढाल बनाकर अपराधी कानून को बेखौफ हाथ में लेंगे। इससे सार्वजनिक न्याय प्रणाली की इमारत ढह जाएगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि आपसी समझौता रक्त रंजित मामलों को रफा–दफा करने का लाइसेंस नहीं है। अनुमति दी गई तो समझौतानामा को ढाल बनाकर अपराधी कानून को बेखौफ हाथ में लेंगे। इससे सार्वजनिक न्याय प्रणाली की इमारत ढह जाएगी। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की अदालत ने मेरठ निवासी मनोज समेत सात याचियों की ओर से समझौते के आधार पर एफआईआर रद्द करने की मांग खारिज कर दी। मामला मेरठ के खरखौदा थाना क्षेत्र का है। वर्ष 2025 में दो पक्षों के बीच हुए खूनी संघर्ष में बलकटी, लोहे की रॉड, फरसा और चाकू जैसे घातक हथियारों का इस्तेमाल हुआ। दोनों पक्षों ने एक–दूसरे के खिलाफ जानलेवा हमले की एफआईआर दर्ज कराई।

संक्षिप्त

वन ट्रिलियन डश्लर इकोनॉमी की नींव हैं मजदूर : धर्मपाल

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर चक गंजरिया स्थित पराग फैक्ट्री में श्रमिक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने श्रमिकों को सम्मानित करते हुए कहा प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने में मजदूरों की भूमिका सबसे अहम है। उन्होंने श्रमिकों के साथ बैठकर भोजन भी किया और उन्हें परिवार की तरह मिलकर काम करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कर्मचारी और अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा– किसी भी अर्थव्यवस्था की प्रगति श्रमिकों के बिना संभव नहीं है। दुग्ध क्षेत्र में लगातार बढ़ती उत्पादन क्षमता के पीछे श्रमिकों का परिश्रम और समर्पण ही मुख्य कारण है। उन्होंने कहा कि 'पराग' ब्रांड ने प्रदेश को दुग्ध क्षेत्र में नई पहचान दिलाई है। अब जरूरत है कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग और श्रमिकों के कौशल विकास के जरिए उत्पादन और गुणवत्ता दोनों को और बेहतर किया जाए, ताकि यह ब्रांड राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत हो सके। मंत्री ने फैक्ट्री का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुग्ध प्लांट पूरी क्षमता और पेशेवर तरीके से संचालित किए जाएं। उन्होंने मार्केटिंग को मजबूत करने और नए उत्पाद जल्द बाजार में लाने पर जोर दिया। उन्होंने साफ कहा कि दूध में किसी भी प्रकार की मिलावट या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उत्पादन प्रक्रिया और मशीनरी की समीक्षा करते हुए उन्होंने गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव मुकेश मेश्राम ने कहा श्रमिक किसी भी संस्था की रीढ़ होते हैं। उनके बिना उत्पादन प्रणाली मजबूत नहीं हो सकती। उन्होंने श्रमिकों के कौशल विकास और बेहतर सुविधाओं के लिए विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई।

लखनऊ एयरपोर्ट पर तमंचे के साथ पकड़ा गया गोंडा का युवक

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ एयरपोर्ट पर एक युवक तमंचे के साथ पकड़ा गया है। उसने लगेज के अंदर तमंचा छिपा रखा था। काउंटर पर जैसे ही लगेज लेकर गया तो उसकी जांच हुई तो उसमें तमंचा निकला। एयरपोर्ट के सिक्योरिटी गार्ड्स ने अधिकारियों को इसकी सूचना दी। अधिकारियों ने सरोजनी नगर थाने से पुलिस बुला ली। इसके बाद युवक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। पुलिस को तमंचा के दुबई में सप्लाई किए जाने का शक है। युवक की पहचान गोंडा के चांदपुर लखपत राय के महेश कुमार चौहान के रूप में हुई। वह 12वीं पास है। घटना शुक्रवार सुबह की है। युवक महेश कुमार चौहान सुबह एयरपोर्ट पहुंचा। वह एअर इंडिया की फ्लाइट (आईएक्स 193) से दुबई जाने वाला था। बुकिंग काउंटर पर लगेज की सुरक्षा जांच के दौरान उसके बैग की तलाशी ली गई। जांच में उसके बैग से 12 बोर का तमंचा निकला। सुरक्षाकर्मियों ने महेश को तमंचे के साथ पकड़ा और सरोजनी नगर पुलिस को सौंप दिया। पुलिस की शुरुआती पूछताछ में महेश ने बताया कि वह नौकरी के सिलसिले में दुबई जा रहा था। हालांकि, उसके बैग में तमंचा कैसे आया, इस बारे में वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। पुलिस सूत्रों के अनुसार, महेश पर दुबई में अवैध तमंचे के कारोबार के लिए इसे सैंपल के तौर पर ले जाने का संदेह है। पुलिस ने बरामद तमंचा जब्त कर लिया है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की विस्तृत जांच जारी है। एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने बताया कि चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के लेवल 2ए सुपरवाइजर आदर्श मिश्रा की तहरीर पर सरोजनी नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। युवक के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा रही है। गोंडा के सभी थानों से उसकी डिटेल खंगाली जा रही है। शुरुआती जांच में आरोपी का कोई आपराधिक इतिहास सामने नहीं आया है।

फांसी लगाकर युवक ने दी जान

लखनऊ (संवाददाता)। ठाकुरगंज इलाके में 22 साल के युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। युवक एक स्कूल में चपरासी का काम करता था। शुक्रवार को बहन की चौथी लेने जाना था। इसके पहले घर में फंदे से लटका मिला। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। ठाकुरगंज स्थित नेपियर रोड, मुफ्तीगंज निवासी 22 वर्षीय आयुष कश्यप ने फांसी लगाकर जान दे दी। आयुष, जुगल किशोर कश्यप का पुत्र था। वह गिरधारा सिंह इंटर कॉलेज में चपरासी की नौकरी करता था। पिता की आंखों की रोशनी कम होने के कारण वह उनकी जगह काम कर रहा था। जीजा आकाश कश्यप के अनुसार, गुरुवार शाम वह परिवार के साथ बैठकर बातचीत कर रहा था। इसके बाद वह अपने कमरे में चला गया। रात करीब 2 बजे उसने फांसी लगा ली। छोटी बहन किसी काम से कमरे में पहुंची तो वह एंगल से रस्सी के सहारे लटका मिला। यह देख बहन चीख पड़ी। परिजन तुरंत उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले गए,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जीजा आकाश ने बताया कि 28 अप्रैल को आयुष ने अपनी बहन नैंसी की शादी कराई थी। शुक्रवार सुबह उसे चौथी लेने जाना था। जिसकी तैयारी घर में चल रही थी। घर में खुशी का माहौल था। आयुष भी काफी खुश था। अचानक से हुई घटना से पूरे घर में कोहराम मच गया।

मजदूर दिवस पर गर्मी–लू से बचाव के लिए ओआरएस वितरित

लखनऊ (संवाददाता)। जिगीषा सोसाइटी ने मजदूर दिवस के अवसर पर लखनऊ के फजुल्लागंज में गर्मी और लू से बचाव के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया। इस पहल के तहत, शारीरिक श्रम करने वाले मजदूरों को मुफ्त में ओआरएस, इलेक्ट्रॉल और ग्लूकोस वितरित किए गए। यह कार्यक्रम तेज गर्मी में काम कर रहे श्रमिकों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया। संस्था की अध्यक्ष अंजली मिश्रा ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने दोपहर 12 से 4 बजे तक काम न करने की सलाह दी है। हालांकि, कई मजदूरों को मजबूरीवश इस समय भी काम करना पड़ता है, जिससे लू और तेज धूप के कारण उनकी तबीयत बिगड़ने का खतरा रहता है। इन्हीं समस्याओं को ध्यान में रखते हुए, संस्था ने लोगों को लू से बचने के उपाय बताए। साथ ही, ओआरएस, इलेक्ट्रॉल और ग्लूकोस का वितरण किया गया। ताकि आवश्यकता पड़ने पर मजदूर तुरंत इनका उपयोग कर सकें और डिहाइड्रेशन से बच सकें।

आध्यात्मिक होता है मानव द्वारा किया गया हर सदकार्य : डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के नौंवे पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि मानव द्वारा किया गया हर अच्छा काम आध्यात्मिक होता है शुक्रवार की सुबह स्थानीय श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ, पिठापुरम के वैशाख पूर्णिमा ज्ञान महासभा का वे ज्योति प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन कर रहे थे।इस अवसर पर पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने अनुग्रह भाषण देते हुए लोगों से ज्ञान और योग के माध्यम से मानसिक स्थिरता और एकात्मकता प्राप्त करने और मानवता के मूल्यों की रक्षा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पीठ की महिलाएं समय का सदुपयोग कर महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण करें। उन्होंने कहा कि समाज में शिक्षा देने वाले माता, पिता, गुरु और आध्यात्मिक गुरु को अंतिम सांस तक नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अध्यात्म के माध्यम से मानसिक विसंगतियां को दूर कर मानसिक विकास किया जा सकता है।

इस अवसर पर पिठापुरम क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण के परियोजना निदेशक डॉ. एन. वी. शिवराम प्रसाद, नगर आयुक्त श्री कनक राव, नाबार्ड डी.डी.एम. डॉ. सोमू नायडू, बी. सी.एन.एल. मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान महाप्रबंधक श्री पालीवेला राजू, कोनसीमा सीवीड कंपनी के प्रमुख डॉ. रामा राजू और प्रसिद्ध महिला उद्योगपति श्रीमती यल्ला पद्मलता ने बतौर विशिष्ट अतिथि भाग लिया और भाषण दिया। उमर अलीशा ग्रामीण विकास ट्रस्ट ने धान के गुच्छे वितरित किए। मालिरेड्डी वीरा शिवा की मदद से, काकीनाडा प्रजा विद्यालय के प्रशासनिक भवन को 300 कॉपी सुलेख पस्तिकाएं ,60 फर्नीचर और 16 सीलिंग पंखे भेंट किए गए। दशकों से सेवा कर रही श्रीमती पोलीमेरु गंगम्मा, श्रीमती उप्पलुरी नूकरत्नम और श्री मोहम्मद गौस मोहिद्दीन को स्वामी ने शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर 45 लोगों को पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने महामंत्र की शिक्षा दी। नगर आयुक्त श्री कनका राव ने स्वामी के अमृत हस्तों से स्वच्छ सर्वेक्षण ऐप का उद्घाटन किया और सभी को पर्यावरण की स्वच्छता के लिए इस ऐप की सेवाओं का लाभ उठाने की अपील की। पिठापुरम क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण के परियोजना निदेशक डॉ. एन.वी. शिवराम प्रसाद ने विश्व शांति के लिए पीठ की सेवाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अच्छा होता है तो समाज भी अच्छा होता है। नाबार्ड डी.डी.एम. डॉ. सोमू नायडू ने कहा कि पीठम की हजारों महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए नाबार्ड के माध्यम से सब्सिडी के साथ बैंक ऋण उपलब्ध कराया जाएगा और महिला रोजगार के लिए कई कार्यक्रमों के बारे में जागरूक किया जाएगा। महिला उद्यमी श्रीमती यल्ला पद्मलता ने कहा कि पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह की सेवाएँ सराहनीय हैं। कोनासीमा सी विड्ज़ कंपनी के प्रमुख राम राजु ने कहा कि महिलाओं के रसोई गैस के विकल्प के रूप में जैव गैस का उपयोग किया जा सकता है। पीठम के सयोजक श्री पेरूरी सुरीबाबु, केंद्रीय समिति के सदस्यों श्री एवीवी सत्यानारायण, श्रीमती के. स्वर्ण लता, श्रीमती पेरूरी कोमली, डॉ पिंगली आनंद कुमार, श्रीमती सूर्यलता और दूसरों ने भाग लिया। सभा के प्रारंभ में श्री येरमशेट्टी उमा महेश्वरराव ने वैशाख पूर्णिमा की विशिष्टता से अवगत कराया।

एकादश श्रमिक सम्मान समारोह हुआ विधिवत सम्पन्न

प्रतापगढ़। लक्ष्मणपुर ब्लाक अंतर्गत यारी कैफे शमशेरगंज में आयोजित श्रमिक सम्मान समारोह में बुद्धिजीवियों और क्षेत्रवासियों की उपस्थिति और उनके उद्‌बोधन उल्लेखनीय रहा। कार्यक्रम की शुरुआत वाणी वंदना से डा.सच्चिदानंद त्रिपाठी ने किया। शिक्षा विभाग में सेवारत ए आर पी आरिटक द्विवेदी ने कहा कि श्रमिक का सम्मान करके हम अपने देश के तरक्की का मार्ग प्रशस्त करते हैं।ओजकवि हरिवंश शुक्ल शौर्य ने अपनी कविता से कार्यक्रम को साहित्यिक माहौल प्रदान करते हुए मजदूर की वंदना की। वरिष्ठ साहित्यकार डा सच्चिदानन्द

त्रिपाठी ने मेहनत से सम्बन्धित कविता सुनाते हुए सबकी तालियां बटोरीं। अपने गीतों से कवि मिठाई लाल ने कार्यक्रम को ऊंचाई प्रदान की। पत्रकार फारूक ख़ान ने श्रमिक दिवस मात्र एक तिथि नहीं है बल्कि चेतना का आधार स्तंभ है। बाबा दूधनाथ धाम सेवा समिति के अध्यक्ष विपिन कुमार तिवारी ने कहा कि हम सबको संकल्प लेना चाहिए नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें, जिससे हम आप सबके श्रम का उत्कृष्ट फल परिवार और देश को प्राप्त हो। मुख्य अतिथि लोकपाल समाज शेखर ने सरकार के विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए श्रमिक गण को लाभ लेने का आह्वान किया। अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री राजेश कुमार मिश्र ने कहा की हमारे राष्ट्र निर्माण की नीव श्रमिक हैं।नीव मजबूत होगी देश मजबूत होगा। साहित्यकार पत्रकार समाजसेवी और क्षेत्रवासियों ने श्रमिक दिवस पर प्रकाश डालते हुए श्रमिकों को देश के सौंदर्य का मूल आधार बताया। संयोजक डॉ अरुण कुमार रत्नाकर ने कहा कि मुझे इस संयोजन में आप सबके गरिमामयी उपस्थिति से बहुत ही ज्यादा आत्म संतुष्टि प्राप्त हुई है। ऐसे ही आप सबके सहयोग की अपेक्षा है।सिंधौर ग्रामसभा वार्ड मेम्बर मनरेगा दिव्यांग श्रमिक कमलेश कुमार का उपहार प्रदान करते हुए माल्यार्पण से अतिथियों ने संयुक्त रूप से सम्मान किया और रत्नाकर जी की संकल्पना और उनके भावनाओं की सराहना की।

संचालन कर रहे आशुतोष गिरि दीपक ने अपनी कविताओं से लगातार मंच को ऊंचाई प्रदान किये। इस अवसर पर राजकुमार शुक्ल, अतुल कुमार मिश्र, अधिवक्ता पुरुषोत्तम सोनी,लल्लन पाण्डेय,अनिल विश्वकर्मा, पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, विमलेश गुप्ता,अखिलेश सिंह, आदित्य सिंह आदि गणमान्य जन मौजूद रहे।

सीधे 1000 बढ़ाते, ये 7 रुपये का एहसान क्यों, गैस सिलेंडर के दाम को लेकर बीजेपी पर भड़के अखिलेश यादव

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में भारी बढ़ोतरी को लेकर शुक्रवार को भाजपा सरकार पर निशाना साधा और कहा कि इससे आम लोगों के लिए भोजन और भी महंगा हो जाएगा। शुक्रवार को वाणिज्यिक एलपीजी के दाम में 993 रुपये प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई, जो अब तक की सबसे तेज वृद्धि मानी जा रही है। यह लगातार तीसरा महीना है जब कीमतों में इजाफा हुआ है। यह बढ़ोतरी पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा कीमतों में आई तेजी से जुड़ी है। नई दरों के बाद दिल्ली में 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक सिलेंडर अब 3,071.5 रुपये में मिल रहा है, जबकि पहले इसकी कीमत 2,078.50 रुपये थी। हालांकि

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, सिलेंडर महंगा नहीं होता, रोटी–थाली महंगी होती है। यह बात वही समझता है जो खुद खरीदकर खाता है, वह नहीं जो दूसरों के यहां जाकर खाता है या दूसरों की थाली से चुराता है। उन्होंने आगे कहा कि यदि सरकार को कीमत बढ़ानी ही थी तो सीधे 1000 रुपये बढ़ा देती। उन्होंने सवाल किया 1000 में मात्र 7 रुपये कम करके भाजपा किस पर एहसान कर रही है? सपा प्रमुख ने यह भी पूछा कि भाजपा महंगाई, बेरोजगारी, बेकारी और मंदी पर निंदा प्रस्ताव कब लाएगी।

प्यारे प्यारे पुहुप

बिन स्वारथ साथी बने, गाएँ मंगल गान।
गुण यह सारे फूल के, रचते मधुर विधान।
रचते मधुर विधान, बैठ हरि के चरणों में।
सबको कहकर एक, रह रहे हर धर्मों में।
सुन लो कहें प्रदीप, हमेशा बन छायापथ।
भरकर प्रेम सुवास, पुष्प खिलते बिन स्वारथ।।

चाहे पुष्प गुलाब हो, या लतेर का फूल।
सबकी निज पहचान है, मौसम के अनुकूल।
मौसम के अनुकूल, करे परमारथ सारे।
प्यारे प्यारे पुहुप, लगें हर इक को न्यारे।
समझो इसे प्रदीप, सुमन सबको क्यों भाये।
हँसकर करते काम, वक्त जैसा भी चाहे।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

योगी ने गुजरात और महाराष्ट्र के स्थापना दिवस पर शुभकामनाएं दीं

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गुजरात और महाराष्ट्र के स्थापना दिवस पर वहां के लोगों को शुभकामनाएं दीं और देश की एकता, विकास और प्रगति में उनके योगदान की सराहना की। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, गुजरात वासियों को गुजरात राज्य के स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की इस पावन धरती ने देश को एकता, स्वावलंबन और सेवा का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि उद्यम, उत्साह एवं सृजन की यह पावन धरा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में विकास एवं समृद्धि के नित नूतन प्रतिमान स्थापित करे, समृद्धि के सुपथ पर गतिमान रहे, भगवान श्री सोमनाथ जी से यही प्रार्थना है। मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र को कड़ी मेहनत, वीरता और प्रगति की भूमि बताते हुए महाराष्ट्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, परिश्रम, पराक्रम और प्रगति की अद्भुत धरा महाराष्ट्र राज्य के स्थापना दिवस पर समस्त महाराष्ट्र वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

जनेश्वर एन्क्लेव में 11वीं मंजिल से गिरकर प्रॉपर्टी डीलर की मौत, जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के गुडंबा इलाके में एक आवासीय इमारत की 11वीं मंजिल से गिरकर 31 वर्षीय एक प्रॉपर्टी डीलर की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। लखनऊ पुलिस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, घटना बृहस्पतिवार रात करीब 8.45 बजे कुर्सी रोड स्थित जनेश्वर एन्क्लेव में हुई। एक व्यक्ति के 11वीं मंजिल से गिरने की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची और व्यक्ति को जमीन पर गंभीर रूप से घायल पाया। पुलिस ने बताया कि घायल व्यक्ति को तुरंत एम्बुलेंस से सरकारी मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई–टेन्डरिंग निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी०)/वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से 'खुली' निविदा आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम– खण्ड/तृतीय/वाराणसी कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत टिम्बर मैदो मोरस ट्राली पद्धति या इसी तरह के उपकरण प्रणाली का उपयोग करके प्री टैम्पिंग/पोस्ट टैम्पिंग माप द्वारा ट्रैक ज्यामिति का कार्य। ई–निविदा सूचना सं०:– एनईआर–बीएसबी–2026–26, अनुमानित लागत (₹):– 81,40,210/–, अग्रधन राशि (बिड सिक्यूरिटी) (₹):– 1,62,800/–, निविदा बन्द होने की तिथि– 26.05.2026. स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन/अवधि की तिथि:– 12 माह. • निविदा सूचना संख्या एनईआर–बीएसबी–2026–26 दिनांक 26.05.2026 को 14:30 बजे तक आनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।
मण्डल रेल प्रबन्धक/(इन्जीनि) वाराणसी
मुजवि/कब्लू–67
ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा सूचना सं.1220262027 — दिनांक : 28.04.2026
ई-टेण्डरिंग निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 22.05.2026 को 13:30 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-
निविदा नं.: 41, **कार्यों का विवरण:** सहायक मण्डल इंजीनियर / उत्तर मध्य रेलवे / नैनी के अधीन वरि० खण्ड इंजी० /कार्य /मानिकपुर के सेक्शन में लिंक जंक्शन छोड़कर से मानिकपुर तक कार्यावधि 30.06.2027 हेतु वार्षिक सिविल मेन्टीनेन्स जोन और वार्षिक बागवानी की रख-रखाव का कार्य।
अनुमानित मूल्य (रु.): 2,44,99,999.33 | **बयाने की रकम (रु.):** 4,90,000/-
कार्य समापन की अवधि: 12 माह, **निविदा खुलने की तिथि:** 22.05.2026, **सिमिलर कार्य के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार:** सिविल इंजीनियरिंग का कोई कार्य।
निविदा नं.: 42, **कार्यों का विवरण:** सहायक मण्डल इंजीनियर /उत्तर मध्य रेलवे / नैनी के अधीन वरिष्ठ खण्ड अभियन्ता / रेलपथ / मानिकपुर / शंकरगढ़ और नैनी-2 के सम्भाग में कार्यावधि 30.06.2027 विविध रेल पथ ओनल कार्य।
अनुमानित मूल्य (रु.): 1,21,00,000/- | **बयाने की रकम (रु.):** 2,42,000/-
कार्य समापन की अवधि: 12 माह, **निविदा खुलने की तिथि:** 22.05.2026, **सिमिलर कार्य के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार:** कोई रेल पथ कार्य।
नोट: 1. आनलाइन निविदा खुलने की तिथि को 13:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। 2. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट www.ireps.gov.in. पर समय 13:30 बजे तक निविदा खुलने की निर्धारित तिथि तक उपलब्ध है। 939/26 (D)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सूबेदारगंज–खातीपुरा ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी का संचालन
भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी सं. 04129/04130 सूबेदारगंज-खातीपुरा ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-
गाड़ी सं. 04129/04130 सूबेदारगंज-खातीपुरा (सप्ताह में 03 दिन) ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ी

04129 सूबेदारगंज-खातीपुरा			04130 खातीपुरा-सूबेदारगंज	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
रवि.,मंगल.,शुक्र.	21:00	सूबेदारगंज	11:00	मंगल.,गुरु.,रवि.
22:15	22:17	फतेहपुर	08:28	08:30
00:10	00:15	गोविंदपुरी	07:10	07:15
02:00	02:02	इटावा	04:13	04:15
04:00	04:05	टूण्डला	02:10	02:15
04:55	05:00	ईदगाह	23:50	23:55
06:00	06:02	भरतपुर	22:18	22:20
08:10	08:12	बाँदीकुई	19:48	19:50
08:35	08:37	दौसा	19:02	19:04
09:40	सोम.,बुध.,शनि.	खातीपुरा	सोम.,बुध.,शनि.	18:30

सूबेदारगंज से- गाड़ी सं. 04129 प्रत्येक रविवार, मंगलवार एवं शुक्रवार दिनांक- 03.05.2026 से 07.06.2026 तथा **खातीपुरा से**- गाड़ी सं. 04130 प्रत्येक सोमवार, बुधवार एवं शनिवार दिनांक- 04.05.2026 से 08.06.2026 **संरचना:** सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-06, इकोनॉमी कोच-02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-02
नोट : ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।
उत्तर मध्य रेलवे
@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 964/26 FA

सम्पादकीय.....

खाड़ी देशों में फूट

प.एशिया में चल रहे तनाव के कारण जो ऊर्जा संकट कायम हुआ है, उसमें पहले ही दुनिया की सांसें अटकी हुई हैं और इस बीच संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई ने मंगलवार को घोषणा की है कि वह 1 मई से ओपेक यानी ऑर्गनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज और उसके व्यापक ओपेक+ समूह से अलग हो जाएगा। जानकारी के लिए बता दें कि ओपेक मुख्य रूप से खाड़ी के तेल निर्यात करने वाले देशों का संगठन है, जिसने कई दशकों तक उत्पादन घटा–बढ़ाकर और कोटा तय करके वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को नियंत्रित किया है। ओपेक की स्थापना 1960 में पांच देशों ईरान, इराक, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला ने मिलकर की थी, ताकि उत्पादन का तालमेल बैठाकर तेल निर्यातकों के हितों की रक्षा की जा सके और सदस्यों के लिए स्थिर आय सुनिश्चित हो। लेकिन वक्त के साथ इसके सदस्य देश बढ़े और अब ओपेक प्लस में ऐसे देश भी शामिल हैं जो ओपेक के सदस्य नहीं हैं। यूएई का ओपेक छोड़ने का यह फैसला लगभग 59 साल बाद आया है और इसे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले तेल कार्टेल ओपेक के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। यूएई के ऊर्जा मंत्रालय ने कहा, यह फैसला हमारे देश की लंबी अवधि की रणनीतिक और आर्थिक नजरिए को लेकर है। हम अब अपनी ऊर्जा क्षमता को और बढ़ा रहे हैं और घरेलू ऊर्जा उत्पादन में तेजी से निवेश कर रहे हैं। हम वैश्विक ऊर्जा बाजार में जिम्मेदार, भरोसेमंद और भविष्य की ओर देखने वाली भूमिका निभाते रहेंगे।य यूएई ने यह भी कहा कि बाहर निकलने के बाद भी वह जिम्मेदारी से काम करेगा और बाजार की मांग के अनुसार धीरे–धीरे अतिरिक्त तेल उत्पादन बढ़ाएगा। दरअसल, यूएई ने अपनी तेल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है। लेकिन, वह ओपेक के लगाए गए उत्पादन में कटौती के प्रतिबंध के कारण अपनी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहा है। इससे उसकी राजस्व क्षमता घट रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, यूएई लगभग 2.9 मिलियन बैरल प्रतिदिन तेल का उत्पादन करता है। जबकि उसकी वर्तमान क्षमता 4.85 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक है। अब उसका लक्ष्य 2027 तक 5 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंचने का है। ऐसे में ओपेक से बाहर निकलने के बाद, यूएई अब बिना किसी कोटा प्रतिबंध के अपनी इस पूरी क्षमता से तेल उत्पादन कर सकेगा। ऊपरी तौर पर यही समझ आ रहा है कि यूएई लंबे समय से ओपेक के उत्पादन प्रतिबंधों से परेशान था, इसलिए उसने संगठन छोड़ने का फैसला किया। हालांकि इस फैसले के पीछे सऊदी अरब के साथ बढ़ते विवाद प्रमुख कारण लग रहे हैं। यूएई और सऊदी अरब, ये दोनों देश कई मोर्चों पर आमने–सामने हैं। ओपेक पर सऊदी अरब का वर्चस्व है। सऊदी अरब ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए ओपेक देशों से उत्पादन कम करने की नीति को मंजूरी दिला दी। यूएई ने पाक–सऊदी अरब गठबंधन के खिलाफ अपना विरोध खुलकर दिखा दिया है। यूएई इसलिए नाराज है कि हालिया संघर्ष में ईरान ने यूएई पर मिसाइल और ड्रोन से हमले किए। यूएई के मुताबिक, उसके एयर डिफेंस ने सैकड़ों मिसाइलें और हजारों ड्रोन रोकें। लेकिन जीसीसी यानी खाड़ी सहयोग परिषद के दूसरे देशों से खास समर्थन नहीं मिला। यूएई ने पाकिस्तान से ईरान के खिलाफ सख्त रुख अपनाने को कहा, लेकिन पाकिस्तान ने मध्यस्थ की भूमिका निभाई। इससे यूएई नाराज हो गया। यूएई ने जब पाकिस्तान से साढ़े तीन अरब डॉलर का कर्ज समय से पहले वापस मांगा तो उधर सऊदी अरब ने पाकिस्तान को 3 अरब डॉलर का कर्ज दिया और और 5 अरब डॉलर की मदद का वादा किया। इसके अलावा सितंबर 2025 में सऊदी अरब और पाकिस्तान ने रक्षा समझौता किया, जिसमें पाकिस्तान सऊदी की सुरक्षा में मदद कर सकता है। पाकिस्तान के पास इस्लामी देशों में एकमात्र परमाणु हथियार हैं। ऐसे में यूएई को इस बढ़ते गठबंधन से असुविधा हो रही है। ध्यान रखने वाली बात यह है कि यूएई भारत के साथ अच्छे संबंध रखता है, जबकि सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की के बीच एक नया गठबंधन बनता दिख रहा है। इसके अलावा दोनों देशों में यमन और सूडान में सैन्य टकराव और क्षेत्रीय नेतृत्व को लेकर होड़ है। सऊदी अरब ने यूएई पर अपनी सुरक्षा को गंभीर खतरा पहुंचाने का भी आरोप लगाया है। इससे आशंका जताई जा रही है कि दुनिया में तेल को लेकर संकट और ज्यादा गंभीर हो सकता है, जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। वैसे यूएई के इस फैसले को खाड़ी देशों में फूट के तौर पर भी देखा जा रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम सऊदी अरब के नेतृत्व से कुछ हद तक स्वतंत्रता दिखाने का भी संकेत है।ध्यान रहे कि यूएई जब एक देश के तौर पर अस्तित्व में नहीं आया था, तब से वह ओपेक का सदस्य रहा है, पहले 1967 में अपने अमीरात अबू धाबी के माध्यम से और बाद में जब संयुक्त अरब अमीरात 1971 में एक स्वतंत्र देश बन गया, तब भी वह ओपेक का सदस्य रहा।

रघु रायः बे–जुबां कैमरे का बोलना...

कुमार प्रशांत

अप्रैल 2026 को जब रघु राय ने अपने कैमरे का शटर दबाया होगा, तब उन्हें इल्म हुआ होगा कि उनका कैमरा बंद हो गया है। अब वह न कभी खुलेगा, न कभी बोलेगा! उनका कैमरा बोलता था। रघु राय के कैमरे और दूसरों के कैमरे में यही फर्क था। दूसरों का कैमरा बोलता नहीं था, देखता थाय रघु राय का कैमरा गूंगा होने को तैयार नहीं था, वह बोलता था। महान कनाडियन कैमराकार यूसुफ कार्श का कैमरा नहीं बोलता था, उनके पोट्रेट बोलते थे। उनके पोट्रेट के पात्रों की आंतरिक विशेषताओं को उनका कैमरा जैसे छू लेता था। वह कहता कुछ नहीं था, हमारे सामने उस व्यक्ति को खड़ा कर देता था। मैंने ऐसा ही कुछ पहली बार पटना की उस मित्र–मंडली में कहा था जिसमें रघु राय भी मौजूद थे। चेहरे पर सदा खिली रहने वाली आत्मीय मुस्कान के साथ वे मुझे सुन रहे थेरू रघु राय के फोटोग्राफ्स बोलते हैं इसलिए हमें उनके पास ठहरना पड़ता है, ताकि उन्हें सुन सकेंय रघु राय के फोटोग्राफ्स दौड़ते हैं इसलिए हमें उनके साथ तेज दौड़ लगानी पड़ती है, ताकि कहीं पीछे न छूट जाएं! मुझे कई बार लगा है कि उनके फोटोग्राफ्स की एक श्रृंखला देखते–देखते सांस फूलने लगती है। मैं आज कहना चाहता हूं कि रघु राय हमारे दौर के सबसे तेज रफ्तार कैमराकार थे जो गति, शब्द व चित्र, तीनों का अप्रतिम संतुलन साध पाते थे। मैं यह आज इसलिए कहना चाहता हूं क्योंकि रघु राय अब नहीं हैं। अब वह आंख नहीं है जो कैमरे से जुड़कर वह संसार उजागर कर जाती थी जिसे देखते हुए भी हम देख नहीं पाते थे। उनकी आंखों में कैमरा लगा था और उस कैमरे में महाभारत वाले संजय की आंख लगी थी। कई लोग कहते रहे, उनकी विदाई–लेखों में भी लिखा जा रहा है कि वे आला दर्जे के न्यूज–फोटोग्राफर थे। रघु राय के परिचय में जब ऐसा कहा जाता है तब मुझे ऐसा प्रतीत होता है जैसे कोई जवाहर लाल नेहरू के परिचय में कहे कि वे भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। यह परिचय सच है, लेकिन जवाहरलालजी का इससे बौना परिचय दूसरा हो नहीं सकता। वे बहुत कुछ और भी थे जिसके साथ भारत के प्रधानमंत्री भी थे। रघु राय बहुत कुछ और भी थे जिसके साथ न्यूज–फोटोग्राफर भी थे। हम बहुत कम समय तक एक–दूसरे को जानते रहे। फिर एकदम अलग हो गए। फिर इधर के दिनों में, जब मैं दिल्ली आया तो फिर कुछ मिलना हुआ। इसलिए निजता का मेरा कोई दावा नहीं है, लेकिन 1974 से जो शुरू हुई, वह सौहार्द्रपूर्ण पहचान बनी रही। मैंने उनसे भी कहा था और आज भी दोहराता हूं कि रघु राय के कैमरे को 1974–77 के दौर में वह संस्कार मिला जिसने उन्हें फोटोग्राफर से कहीं आगे खड़ा कर दिया। अपना कैमरा लेकर जब रघु राय जयप्रकाश नारायण व उनके आंदोलन के करीब पहुंचे तब उन्हें भी अंदाजा नहीं था कि उनका कैमरा यहां से अपना चरित्र बदलने वाला है। मुझे पता नहीं है कि रघु राय 1974 से पहले जयप्रकाश से परिचित थे या नहीं। कभी पूछा नहीं, कभी ऐसी बात निकली नहीं, लेकिन सिताबदियारा की वह रात मुझे खूब याद है जब दिन भर की तूफानी सभाओं व सार्वजनिक जयकारों–हाहाकारों से निकलकर हम देर शाम जयप्रकाशजी के पैतृक गांव सिताबदियारा पहुंचे थे। अपना वह गांव और अपना वह खपड़ैल का मकान जयप्रकाशजी को बहुत प्यारा था। उसकी उष्मा में वे विभोर होकर रहते थे– चाहे जितना रह सकें! उस शाम बेहद थके होने के बाद भी वे वैसे ही मगन–मन थे। वहां जगह भी कम थी, सुविधाएं तो और भी कमय और उसमें औचक आ पहुंचे 10–15 शहरी मेहमान! सबकी व्यवस्था थी। सबको उनकी जगह पहुंचाकर, खाना आदि करवाकर थोड़ी राहत मिली। जयप्रकाशजी भी थकान से निबटकर थोड़े स्थिर हुए तो सब मेहमानों की व्यवस्था की जानकारी ली। बिस्तर, मच्छरदानी, पीने का पानी, बाथरूम सब पूछा–इनमें से कुछ होंगे जिन्हें सोने से पहले चाय–कॉफी की जरूरत होती होगी। वह सब पूछा न? पूछा तो था, लेकिन बहुत आग्रह से नहीं, इसलिए जवाब में थोड़ा संशय था...रात भी ज्यादा हो रही है, सोने वाले सो भी गए होंगेश व्यवस्थापकों का जवाब पूरा भी नहीं हुआ था कि जयप्रकाशजी बिस्तर से नीचे उतरे और बोले चलो, जरा देख लूं ! मेहमानों में संकोच भरी खलबली हुई। इतनी रात गए, थके जयप्रकाशजी एक–एक के बिस्तरे तक पहुंचे, बड़ी आत्मीयता से जो पूछना–बताना था, वह सब किया– श्यहां सुविधाएं कम हैं, परेशानी होगी आपको, सुबह कितने बजे उठते हैं, नहाने का गर्म पानी यहां मिल जाएगा, चाय कितने बजे लेंगे, चाय के साथ क्या लेंगेश मैं देख रहा था कि रघु राय सिकुड़ते जा रहे थे। जिसके पीछे कैमरा लेकर वे सुबह से भाग रहे थे, वह अब उनके कैमरे की जद से बाहर, उनके सामने खड़ा था और उन्हें अपने कैमरे में बंद कर रहा था। आपने रोका क्यों नहीं दिन भर मैंने इस बूढ़े आदमी को जवानों को मात देने वाली एनर्जी से काम करते देखा है अब हमारी बेहूदा–सी जरूरतों की चिंता में रघु राय को सूझ नहीं रहा था कि वे कैसे, क्या कहें शब्द बता नहीं पा रहे थे कि वे कैसा महसूस कर रहे थे फिर हम देर रात तक सिताबदियारा के कच्चे रास्तों पर हल्के कदमों व दबी आवाज में बात करते घूमते रहे वे एक इवेंट कवर करने आए थे, और यहां मिला उन्हें एक ऐसा व्यक्ति जो इतिहास समेटता हुआ, इतिहास बदल रहा था। आप देखिए, न यह कैमरा मेरा बनाया है, न मेरे कैमरे के सामने जो घट रहा है वह मेरा रचा हैश सब मुझे बना–बनाया मिला है। मैं कर तो इतना ही रहा हूं न कि शटर दबा रहा हूं रघु राय कुछ और कहते कि मैंने टोका – शटर तो मैं भी दबा सकता हूं, लेकिन उसमें से रघु राय का फोटो बनेगा नहीं, क्योंकि कहां, कब व कैसे शटर दबाना है यह न मशीन को मालूम है, न मशीन के सामने घटती घटनाओं को यह तो रघु राय को ही पता है। कला व कलाकार के बीच का यह रिश्ता ही अंतिम सत्य है ऐसी कितनी ही बातें उस रात हुईं जयप्रकाशजी कर क्या रहे हैं, लोकतंत्र के विकास में इस आंदोलन का रोल क्या है, दमन के सामने बहादुरी से खड़े इन नौजवानों की प्रेरणा क्या है जैसी कितनी ही बातें हम कर गए रघु राय तब अपने फोटो का नया एंगल खोज रहे थे। जिसे हम न्यूज–फोटोग्राफी कहकर निकल जाते हैं ।

प्राइम मक्खन और कंधों पर कंकाल वाला भारत

सर्वमित्रा सुरजन

देश की ताजा घटनाओं पर दो अलग–अलग तरह के कैरिकेचर देखने मिले। अमूल मक्खन के विज्ञापन में इस बार फुटबॉल खिलाड़ी बने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दर्शाते हुए लिखा गया है सेंटर के फॉरवर्ड, अमूल प्राइम मक्खन। पाठक जानते हैं कि फुटबॉल के खेल में सेंटर–फॉरवर्ड की स्थिति पर खेल रहे खिलाड़ी की भूमिका सबसे अहम होती है। सेंटर फॉरवर्ड विरोधी टीम के गोल के सबसे पास यानी केंद्रीय स्थिति में खेलने वाला मुख्य हमलावर होता है। उसकी प्राथमिक भूमिका गोल करना है। एक कुशल सेंटर–फॉरवर्ड न केवल गोल दागेगा, बल्कि गेंद को अपने पास रख कर अपने बाकी साथियों के लिए अवसर बनाकर विपक्षी रक्षा पंक्ति को पूरी तरह व्यस्त रखता है। तो अमूल के हिसाब से नरेन्द्र मोदी इस समय ऐसे ही गोल के पास खड़े हैं, बल्कि गोल दाग भी रहे हैं और विपक्ष को हैरान–परेशान कर रहे हैं। सेंटर के फॉरवर्ड की मुख्य पंक्ति के साथ नीचे अमूल ने लिखा है– अमूल प्राइम मक्खन। अब पाठक इसका भी विश्लेषण अपनी–अपनी तरह से कर सकते हैं। पीएम मोदी को फुटबॉल में अहम भूमिका में खेलने वाला बताकर क्या कंपनी ने प्राइम मक्खन लगाया है यानी हद दर्जे की चाटुकारिता दिखाई है या फिर तंज कसा है। अमूल का मकसद जो भी रहा हो, लेकिन इस बहाने मोदी का फुटबॉल खेलना फिर से चर्चा में आ गया। हालांकि पिछले पांच दिनों में केवल फुटबॉल खेलने का वीडियो प्रधानमंत्री ने नहीं बनवाया है, बल्कि खाली समय बिताने के लिए और भी बहुत कुछ किया है।

प.बंगाल में चुनावी रैली में टीएमसी और कांग्रेस को कोसते–कोसते प्रधानमंत्री थक गए तो हुगली नदी पर नौकाविहार करने चले गए। अपना कैमरा भी साथ ले गए। उनकी शूटिंग टीम ने उन्हें तस्वीरें उतारते हुए अपने कैमरों में उतारा। एक पुराना गीत है– सुनयना, आज इन नजारों को तुम देखो और मैं तुम्हें देखते हुए देखूं। बस इसी भाव के साथ मोदीजी की वीडियो कैमरा टीम ने उनका वीडियो बनाया है। प.बंगाल से मोदी सिक्किम पहुंचे, वहां गंगटोक में रोड शो हुआ, तो फिर वीडियो बना। इसके बाद युवा खिलाड़ियों के साथ साहब ने फुटबॉल भी खेला, वो भी बाकायदा फुटबॉल खिलाड़ियों की पोशाक में। इसका भी वीडियो बना। फुटबॉल खेलते हुए तो अखिलेश यादव, राहुल गांधी के भी वीडियो बने हैं, लेकिन इसके लिए उन्हें तामझाम की जरूरत नहीं पड़ी। अखिलेश यादव के कुर्ते पायजामा में ही फुटबॉल खेलते कई वीडियो हैं। जब वो मैसूर में कॉलेज में पड़ते थे, तभी फुटबॉल खेलते हुए ही उनकी नाक में फैक्चर हुआ था। इसी तरह राहुल गांधी भी कई बार युवाओं या बच्चों के साथ फुटबॉल खेलते देखे गए हैं। उन्हें भी कॉलेज के दिनों में फुटबॉल खेलते समय घुटने में गंभीर चोट लगी थी, जिसका ऑपरेशन हुआ और लंबे समय तक फिजियोथेरेपी चली। यह पुरानी चोट भारत जोड़ो यात्रा के दौरान फिर से उभर आई थी, जिससे उन्हें दर्द और चलने में परेशानी हुई। अफसोस कि मोदीजी ऐसी किसी चोट से अपना रिश्ता नहीं जोड़ सकेंगे, क्योंकि नहीं पता कि उन्होंने कॉलेज के दिनों में क्या पढ़ाई की और कौन से खेल खेले? लेकिन अब फुटबॉल खेलकर उन्होंने अपनी इस कसक को भी पूरा कर लिया है, बस किसी चोट का जिक्र नहीं है। वैसे उनके शासन में जनता को ही खूब चोटें मिली हैं और उसे मलहम भी खुद ही लगाना पड़ रहा है। दूसरा कैरिकेचर इसी से जुड़ा है। उसका वर्णन आगे होगा। फिलहाल मोदीजी का फुटबॉल खेलना प.बंगाल चुनाव के बीच सोची समझी रणनीति दिखती है। क्योंकि बंगाल के लोगों की फु टबॉल के प्रति दीवानगी जगजाहिर है। यहां के मैदान में ममता बनर्जी ने फुटबॉल को किक मारते हुए पिछले चुनावों में कहा था खेला होबे और वाकई तब भाजपा के साथ खेल हो गया था। उसे हार का सामना करना पड़ा था। अब किक मोदीजी ने मारी है, तो देखना होगा कि खेल हुआ या नहीं। हालांकि गंगटोक में फुटबॉल खेलने पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी को कांग्रेस ने याद दिलाया कि पास में ही मणिपुर भी है, जो फिर से हिंसा से ग्रस्त है और वहां के बच्चे, युवा भी फुटबॉल खेलना पसंद करते हैं। हिंसा के कारण राहत शिविरों में रह रहे बच्चों के लिए राहुल गांधी ने फुटबॉल भी भिजवाई है। तो प्रधानमंत्री चाहते तो सिक्किम के बाद मणिपुर जाते, वहां भले फुटबॉल नहीं खेलते, लेकिन कम से कम हालात का जायजा लेते तो पुलिस प्रशासन को भी बल मिलता और लोगों को राहत की उम्मीद बंधती। लेकिन प्रधानमंत्री सिक्किम से उत्तरप्रदेश में अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी चले गए। गृहमंत्री अमित शाह भी 27 तारीख तक प.बंगाल में ही थे, वे भी मणिपुर नहीं गए। बल्कि गुजरात चले गए। इन दोनों की प्राथमिकता केवल चुनाव जीतना और भाजपाशासित राज्यों की गिनती बढ़ाना है। उसके बाद राज्यों में चाहे लोग कंकाल ढोने पर मजबूर हो जाएं, इन्हें फर्क नहीं पड़ता। 2024 के चुनाव में भाजपा ने ओडिशा पर शासन करने में सफलता हासिल कर ली थी। जो बीजू जनतादल लगातार एनडीए का हिस्सा बना रहा, वो मोदी के दौर में अलग हो गया और ओडिशा में उसी की सत्ता भाजपा ने खत्म कर दी। लोगों से यही वादा किया गया कि बीमारू राज्यों की श्रेणी में शामिल ओडिशा में अब विकास होगा। लेकिन यहां लगातार प्रताड़ना की खबरें आ रही हैं। लड़कियों की असुरक्षा, सांप्रदायिक तनाव, आदिवासी उत्पीड़न, विकास के नाम पर जंगलों का काटना यह सब तो लगातार हो ही रहा है, लेकिन अब एक ऐसा वीडियो सामने आया जो आत्मनिर्भर, विकसित भारत के मुंह पर करारा तमाचा है। देश ने कई बार बीमार परिजन को कंधे पर ढोकर अस्पताल ले जाते देखा है, कंधों पर या ठेलों पर अपने प्रियजन की लाश ले जाने के मार्मिक दृश्य भी सामने आए हैं, क्योंकि गरीब को एंबुलेंस नहीं मिलती। लेकिन एक बूढ़े व्यक्ति को कब्र से अपनी बहन का कंकाल निकालकर कंधे पर ढोना पड़े, ताकि वो बैंक में यह दिखा सके कि देखो ये मर चुकी है, तो इसकी मार्मिकता, हालात की भयावहता, प्रशासन की सूखती संवेदना, सरकारों की निष्ठुरता को किन शब्दों में बयां किया जाए। इस दृश्य के लिए शब्द चूक गए लेकिन टाइम्स ऑफ इंडिया के कार्टूनिस्ट संदीप अध्वर्यू ने इस पर एक सटीक कैरिकेचर बनाया है।

सीमा वर्णिका की कलम से

'दोहरा मापदंड'

माली गरीब दास ने जैसे ही सेठ जी के बँगले का गेट खोला सामने टहल रहे सेठ अमीर चँद भड़क उठे।

ष्आइए महाशय ..आपका स्वागत है ..कहाँ थे पिछले एक हफ्ते से ,ष्गुस्से में व्यंग बाणों की बौछार करते हुए बोले।

ष्माफ करो सेठ जी मेरा बिटवा रामू बहोत बीमार भा अस्पताले में भरती कराये हैं ष्रूलासा सा गरीब दास बुदबुदाया ।

ष्तुम लोगों के पास बहाने की कोई कमी नहीं है ..बस मुफ्त में तनख़्वाह चाहिए ..जाओ निकल जाओ ..हमें तुमसे अब काम ही नहीं कराना। हम दूसरा माली रख लेंगे,ष्सेठ अमीर चंद गुस्से में लाल पीले होते बोल रहे थे।

ष्अरे मालिक अईसन न बोलो .. दया करो ..हमरे ऊपर बड़ी मुसीबत हये..बहोत उम्मीद से आए राहें,ष्गरीब दास गिड़गिड़ाते स्वर में बोला ।

ष्हमें कुछ नहीं सुनना ..निकल जाओ इसी वक्त अब कभी शक्ल न दिखाना, ष्सेठ जी चिल्ला रहे थे।

हालत देखो पेड़ पौधों की सब सूख गयें हैं,ष्सेठ जी गुस्से में बोल रहे थे।

भारी मन से गरीब दास गेट से बाहर निकल आया।

ष्रामुवा की अस्पताले से छुट्टी करावन पड़ी कैसन भर पइवे बिल,ष्गरीब दास के मन में ऊहापोह चल रही थी।

ष्ड्राइवर गाड़ी निकालो अनाथालय जाना है दान पुण्य करने, ष्पीछे से सेठ जी की आवाज़ सुनाई दीस

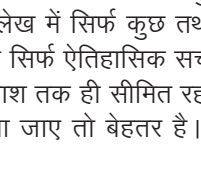

सीमा वर्णिका,
कानपुर

क्या ईरान में हो चुका है सत्ता परिवर्तन?

हरचरण बैंस

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की घोषणाओं के विपरीत, कुछ लोगों का दावा है कि ईरान में सत्ता परिवर्तन (निजाम में बदलाव) न तो हुआ है और न ही हो सकता है। दोनों पक्षों की ओर से यह एक बहुत बड़ा दावा है। इसे करीब से देखने और परखने के बाद कुछ दिलचस्प नतीजे सामने आ सकते हैं। लेकिन उसके लिए सबसे पहली शर्त यह है कि अपना मन खुला रखा जाए और यह जिद छोड़ दी जाए कि ऐतिहासिक तथ्यों के नतीजे हमारे मनपसंद ही हों। अमरीका ने ईरान के पुराने निजाम के सभी नहीं तो सुप्रीम लीडर सहित भारी बहुमत में लगभग वे सभी लोग उड़ा ही दिए हैं, जो उस कट्टर अब्राहमिक सोच वाले इस्लामिक निजाम के वफादार थे। इससे एक नया निजाम खुद–ब–खुद अस्तित्व में आ चुका है। देखना यह है कि क्या ये नए चेहरे पुराने निजाम के स्वभाव और नीतियों का ही नया रूप हैं या बात कुछ और भी है। यह भी संभव है कि मौजूदा सत्ताधारी लोग कुछ समय तक दिखावा तो पुराने निजाम की नीतियों पर चलने का ही करें, क्योंकि वह राजनीतिक मजबूरी होगी, लेकिन धीरे–धीरे इस नए निजाम की नई सोच और दृष्टिकोण सामने आने लगे। जो नए चेहरे हैं, उनमें से कुछ को छोड़कर पुराने निजाम के दौरान इनमें से अधिकतर खुद हाशिए पर थे। अब खुदा जाने इसमें कितनी सच्चाई है, लेकिन एक विमर्श यह भी चल रहा है कि शायद इन्होंने ही चुपके से अमरीका के साथ मिलकर पुराने तानाशाह मरवा दिए हों। इसमें सच्चाई है या नहीं, कहना मुश्किल है। लेकिन कुछ रहस्यमयी तथ्य ध्यान जरूर खींचते हैं जिनके पक्ष और विरोध में बराबर के तथ्य और दलीलें पेश की जा सकती हैं। यह बात बहुत ही रहस्यमयी है कि किसी को भी इस बात की भनक न लगे कि पुराने नेता इतनी आसानी से कैसे मारे गए और नए लोगों को मारने में अमरीका–इसराईल को क्या मुश्किल पेश आई। एक प्रभाव यह भी है कि निजाम सचमुच बदल चुका है लेकिन यह बात जाहिर करना न अमरीका के हित में है और न ईरान के मौजूदा निजाम के हक में। ईरान के लोग नए निजाम वालों को गद्दार न कहें, इसलिए मिल–जुलकर एक ऐसी जंग चलाई जा रही है, जिसमें अमरीका नए निजाम के किसी चपरासी तक को भी नहीं मार रहा। इस दलील को खारिज करना उतना ही आसान है जितना इसे साबित करना। अमरीका और इसराईल के वे गुप्तचर हथकंडे जो ईरान के सुप्रीम लीडर, सेना प्रमुख, सबसे बड़े सैन्य अफसरों जैसे इंटैलिजैंस प्रमुख सहित पुराने निजाम के लगभग सभी सदस्यों को उनके घरों के अंदर तक जाकर आराम से कत्ल करके उन्हें जन्नत भेज सकते हैं, तो यदि वे चाहें तो उनके लिए मौजूदा निजाम के किसी भी नेता को मार गिराना कितना मुश्किल होगा? लेकिन पहली कतार तो छोडिए, अमरीका और इसराईल मिलकर ईरान के मौजूदा निजाम के किसी तीसरे–चौथे दर्जे के नेता या अफसर तक को हाथ नहीं लगा रहे। क्यों? पहले 48 घंटों में ईरान के अंदर जमीन के ऊपर या जमीन के सैंकड़ों फुट नीचे तक कोई एक इंच जमीन ऐसी नहीं बची जहां अमरीका और इसराईल ने बड़े आराम से चहल–कदमी करके राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के सिर कलम न किए हों। फिर, उसके तुरंत बाद अचानक अमरीका और इसराईल यह प्रभाव देने लगे कि उनके हाथ कोई हीरा (प्रमुख ईरानी नेता) नहीं लग रहा, जबकि ईरानी नेता खुलेआम इस्फहान जैसे प्रमुख स्थानों पर घूमते और ईरानी लोगों के गले मिलते देखे जा सकते थे और देखे जा सकते हैं। ऐसा प्रभाव दिया जा रहा है जैसे जंग के चौथे दिन ही अमरीका–इसराईल की सारी खुफिया तंत्र शक्तियां छुट्टी पर चली गई हों और अब वे बिना तलवार के ही जंग लड़ रहे हैं। उधर ईरान, चीन, रूस, हिजबुल्ला, हमास और कई अन्य ताकतें मिलकर भी अमरीका या इसराईल का कोई तीसरे दर्जे का नामी फौजी मारने का दावा भी नहीं कर रहे। अब तो कमाल ही हो गया। ईरान कहता है कि मैंने होर्मुज बंद कर दिया। इसके जवाब में बनता तो यह था कि अमरीका कहता कि मैं खुलवाऊंगा, मगर वह कह रहा है कि होर्मुज को बंद करने वाले ईरानी फैसले को पूरी तरह लागू करने के लिए मैं भी मदद करूंगा। अमरीका ने ईरान द्वारा बंद किए गए होर्मुज को बंद कर दिया! अमरीका और ईरान का नया निजाम होर्मुज को बंद रखने के लिए पूरी तरह साफ सहमत दिखाई दे रहे हैं। यानी दोनों का एक ही लक्ष्य। फिर जंग किस बात की हुई? और ट्रम्प की देखने में बेतुकी लगने वाली बयानबाजी और ईरानियों के खोखले दावे किसलिए? यदि मेरा शक सही है तो ये दावे एक बड़े विमर्श का हिस्सा हो सकते हैं। नए रिजीम को ईरान के अंदर राजनीतिक लोकप्रियता और विश्वसनीयता दिलाने के लिए अमरीका–विरोधी लड़ाकू जज्बे वाला दिखना जरूरी है, ताकि उनके लिए ईरानी लोगों के मन में सम्मान कायम रखा जाए। यदि ऐसा न हो तो नया निजाम अमरीका के किस काम का? लेकिन यह कोई खुफिया तथ्यों पर आधारित दावा नहीं है। यह एक संभावना का चित्रण है, जो बेबुनियाद नहीं बल्कि उन ठोस तथ्यों पर आधारित है जो तथ्य ईरानी और अमरीकी मीडिया में पहले ही जगजाहिर किए जा चुके हैं। यह याद रखना जरूरी है कि इतिहासकार का काम मनपसंद नतीजों के पक्ष में तथ्य इकट्ठा करना नहीं, तथ्यों को पवित्र मानकर उनके आगे सिर झुकाना होता है, चाहे वे इतिहासकार की मनपसंद धारणाओं की धज्जियां ही क्यों न उड़ाते हों। निष्पक्ष विमर्श का दूसरा नाम इतिहास है और इतिहास न तो ईरान का दीवाना है, न अमरीका या इसराईल या चीन या भारत या पाकिस्तान का गुलाम। इसीलिए इतिहास आज आपका आशिक और कल आपका दुश्मन नजर आएगा। असल में वह न दोस्त है न दुश्मन। वह खुदा की तरह निष्पक्ष है। इस लेख में सिर्फ कुछ तथ्य पेश किए गए हैं। इन तथ्यों को खोजकर सिर्फ ऐतिहासिक सच की तलाश ही शुरू की जा सकती है। तलाश तक ही सीमित रहा जाए और दावों या फतवों से परहेज किया जाए तो बेहतर है।

सब कुछ होने के बाद भी कुछ रहा अधूरा, कैसी है रितेश देशमुख की `राजा शिवाजी' ?

एक ही फिल्म में रितेश देशमुख, संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, जेनेलिया देशमुख, फरदीन खान, विद्या बालन, सचिन खेड़ेकर, महेश मांजरेकर और भाग्यश्री जैसे बड़े–बड़े कलाकार। ऊपर से सुपरस्टार सलमान खान का कैमियो भी। मराठी भाषा में वीर छत्रपति शिवाजी महाराजा और मराठाओं की वीर गाथा बयां करती एक फिल्म, जिसका निर्देशन भी एक मराठी ने ही किया है। अजय–अतुल का म्यूजिक और 100 करोड़ के बजट में बनी सबसे महंगी मराठी फिल्म। एक नहीं.. ऐसी कई वजहें हैं जो आपसे कहेंगी कि इस फिल्म को आपको थिएटर में जाकर देखना चाहिए पर इतना सब होने के बावजूद भी फिल्म में कुछ खालीपन सा है। क्या है वो.. आइये जानते हैं.. फिल्म की कहानी मराठियों के लिए तो सुनी–सुनाई है लेकिन अगर आप हिंदी भाषी हैं तो यह आपको इतिहास को और बेहतर समझने में मदद करेगी। इसके लिए राइटर्स ने गहरी रिसर्च की है और यह शिवाजी महाराज (रितेश देशमुख) से भी पहले के दौर से शुरू होकर अफजल खान (संजय दत्त) के निधन तक जाती है। सभी किरदारों को अच्छे से प्रेजेंट भी किया गया है।

रितेश देशमुख के लिए ये किरदार निभाना एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी और इसके साथ ही उन्होंने निर्देशन की भी कमान संभाली। रितेश ने काम तो अच्छा किया और पहले हाफ में वो दमदार भी लगे हैं पर कई जगहों पर वो शिवाजी राजे वाली वह फील नहीं देते, जो हम सबके मन में बसी हुई है। शायद इसकी वजह वही है कि हमने रितेश को इतने हल्के किरदारों में देखा है कि शिवाजी महाराज के किरदार में उनको स्वीकारने में समय लगता है। सलमान खान का कैमियो सीटियां जरूर बटोरता है पर उनसे कुछ करवाया नहीं जाता। एक आध एक्शन सीन उनका भी दिखा देते तो मजा ही आ जाता।

संजय दत्त को आप ऐसे किरदार में पहले भी देख चुके हैं उन्होंने कुछ बहुत खास काम नहीं किया। हालांकि, उनका यह रोल 'पानीपत' से काफी बेहतर है। अभिषेक बच्चन की एक्टिंग अच्छी है। लंबे समय बाद उन्हें सही किरदार मिला है। फरदी खान, विद्या बालन और भाग्यश्री ने अपने किरदार को बढ़िया निभाया। जेनेलिया देशमुख ने खुद को गंभीर रखने की बहुत कोशिश की। वो खूबसूरत दिखीं पर कुछ जगह ओवरएक्टिंग करती भी नजर आईं। बाकी सभी कलाकारों ने अपने किरदार के साथ न्याय किया है।

रितेश ने इसे अब तक की सबसे महंगी मराठी फिल्म बनाते हुए इस पर 100 करोड़ रुपये फूंके हैं पर हैरानी है कि इसके बावजूद फिल्म के वीएफएक्स कई जगह कमजोर हैं। फिल्म के फर्स्ट हाफ पर जितनी मेहनत की गई है, किरदारों को स्पेस देकर अच्छे से समझाया गया है। सेकंड हाफ में यह उतनी ही तेजी से खत्म हो जाती है। रितेश, कुछ और अच्छे फैसले लेते तो यह फिल्म बहुत यादगार बन सकती थी।

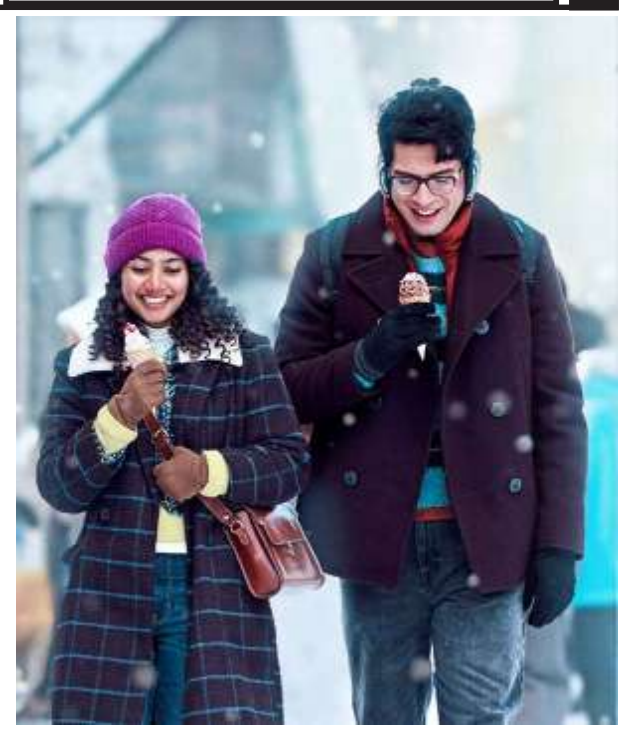

क्या 'एक दिन' से बदलेगी आमिर खान के बेटे जुनैद की किस्मत? फिल्म को मिली कैसी प्रतिक्रिया?

पिता आमिर खान के नक्शे–कदमों पर चलते हुए जुनैद खान ने भी बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा है। वह अब तक 'महाराज' और 'लवयापा' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके हैं। अब आमिर खान प्रोडक्शन ही फिल्म 'एक दिन' में लीड रोल निभा रहे हैं। इस फिल्म में उनका अभिनय क्या दर्शकों को पसंद आया? फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर ऑडियंस ने कैसे रिएक्शन दिए। फिल्म 'एक दिन' की कहानी को लेकर कई सोशल मीडिया यूजर्स निराश दिखे। यह बॉलीवुड फिल्म एक थाई मूवी का रीमेक है। एक यूजर ने ट्विटर पर लिखा, 'बेकार रीमेक है।' इसी तरह एक अन्य यूजर ने लिखा, 'यह फिल्म याद दिलाती है कि कास्टिंग कहानी को बना या बिगाड़ सकती है। और एक दब्बू किरदार निभाने का मतलब यह नहीं है कि हर सीन और हर डायलॉग को एक ही तरह से, बिना किसी उतार–चढ़ाव के पेश किया जाए। फिल्म एक दिन में जुनैद खान और साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी रोमांटिक कपल का रोल कर रहे हैं। इनकी एक्टिंग को लेकर सोशल मीडिया पर एक यूजर ने कहा, सच कहूं तो अगर साई पल्लवी इसी तरह तमिल लहजे वाली हिंदी बोलती रहीं, तो मुझे सच में फिल्म रामायण को लेकर चिंता हो रही है। फिल्म एक दिन के क्लाइमैक्स को छोड़कर लगभग सब कुछ दूसरी फिल्मों से उधार ली गई थी। शायद इसलिए क्योंकि ऐसा न करने पर इसकी अपील सीमित हो जाती है। हां, जुनैद खान अपने किरदार को कुछ हद तक दर्शकों से जोड़ पाने में कामयाब रहे हैं। एक दिन की कहानी में दिनेश (जुनैद) और मीरा (पल्लवी) ऑफिस कुलीग्स हैं। दिनेश को मीरा से बेइंतहा प्यार है। जापान की एक ऑफिस ट्रिप के दौरान एक फॉर्च्यून बेल पर मांगी गई उसकी एक मुराद पूरी हो जाती है।

तब्बू ने दी फिल्म किंग 100 पर बड़ी जानकारी, क्रू मेंबर्स के साथ साझा की बीटीएस तस्वीरें

अभिनेत्री तब्बू जल्द नई फिल्म किंग 100 मे नजर आएंगी। हाल ही में अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के जरिए फिल्म के पहले शेड्यूल के खत्म होने की बीटीएस तस्वीरें शेयर कीं। जिसमें एक्ट्रेस अपने क्रू मेंबर्स के साथ मस्ती करती दिख रही हैं। तब्बू इन दिनों आगामी फिल्म किंग 100 को लेकर व्यस्त हैं। इंस्टाग्राम पर उन्होंने कुछ फोटोज शेयर किए हैं जिनमें वह अपनी फिल्म के क्रू के साथ दिखाई दे रही हैं। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपनी फिल्म की शूटिंग की जानकारी भी दी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, शेड्यूल 1 का अंत। यह इस बात का संकेत है कि फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है। आगामी फिल्म 'किंग 100'से तब्बू साउथ अभिनेता नागार्जुन के साथ लगभग 30 साल बाद नजर आएंगी। आखिरी बार एक्ट्रेस नागार्जुन के साथ साल 1996 में आई रोमांटिक फिल्म निन्ने पेल्लादाता में काम किया था। बीते दिनों तब्बू ने सोशल मीडिया पर अपनी फिल्म की जानकारी दी थी। हालांकि फिल्म की कहानी और बाकी कास्ट से जुड़ी कोई जानकारी अभी तक साझा नहीं की गई। तब्बू ने हाल ही में रिलीज हुई हॉरर–कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में अभिनय किया। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार परेश रावल, राजपाल यादव और वामिका गब्बी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। भूत बंगला को दर्शकों ने काफी पसंद किया। वहीं साउथ सुपरस्टार नागार्जुन को आखिरी बार रजनीकांत की तमिल एक्शन फिल्म कुली में देखा गया था। फिल्म 2025 में रिलीज हुई थी। जबकि नागार्जुन की आखिरी हिंदी फिल्म निर्देशक अयान मुखर्जी की ब्रह्मास्त्र–पार्ट वन–शिवा है, जो 2022 में रिलीज हुई थी।

शेखर कपूर का एआई पर बड़ा बयान, बताया क्यों देश नहीं है तैयार बोले– 'भारत में आएगी असली क्रांति'

इंडियन फिल्ममेकर शेखर कपूर ने हाल ही में एआई से जुड़ी एक फोटो शेयर की। उस फोटो के साथ उन्होंने एआई के बढ़ते असर और इंडियन मिडिल क्लास परिवारों पर इसके बदलाव को लेकर खुलकर अपनी राय दी। आइए जानते हैं एआई को लेकर शेखर कपूर का क्या कहना है। शुक्रवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मिडल क्लास इंडियन फैमिली की तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में मां रसोई में खाना बना रही है, पिता चारपाई पर बैठकर टीवी देख रहे हैं और बच्चे जमीन पर बैठकर लैपटॉप चला रहे हैं। इस तस्वीर को देखकर शेखर कपूर ने कहा कि दुनिया अभी बड़े देशों और बड़ी कंपनियों की वैल्यू पर ध्यान दे रही है, लेकिन असली एआई क्रांति भारत के आम घरों से शुरू होगी। उन्होंने लिखा, 'यह क्रांति ऊपर से नहीं, बल्कि नीचे से आएगी। एआई शायद अब तक की सबसे लोकतांत्रिक तकनीक बन सकती है।' शेखर कपूर के मुताबिक, आने वाले समय में एआई कोडिंग, डिजाइन, रिसर्च और हेल्थ जैसे कई काम आसान कर देगा। ऐसे में इंसान के पास सबसे बड़ी ताकत उसकी सोच और समझ ही रह जाएगी। उन्होंने कहा, 'जहां संघर्ष होता है, वहीं नई सोच पैदा होती है। भारत की असली ताकत उसकी जरूरतें और मेहनत हैं।' भविष्य को लेकर उन्होंने एक उम्मीद भरी तस्वीर भी दिखाई। उनके अनुसार आने वाले समय में बच्चे सिर्फ नौकरी ढूंढने वाले नहीं होंगे, बल्कि खुद सीईओ बनेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि रिटायर हो चुके लोग अपने अनुभव को नई तकनीक के साथ दोबारा इस्तेमाल कर पाएंगे और घर संभालने वाली महिलाएं भी अपनी क्रिएटिविटी को दुनिया तक पहुंचा सकेंगी। शेखर कपूर ने आखिर में कहा कि भारत एआई के लिए इसलिए तैयार नहीं है।

फैलाव में उलझी कहानी, मगर कुछ हिस्से अब भी असर छोड़ते हैं

अनदेखी जब 2020 में आई थी, तब इसने बिना किसी लागलपेट के एक ऐसी दुनिया दिखाई थी जहां पावर का मतलब था खुलेआम गलत करना और बच निकलना। पापाजी (हर्ष छाया) का वह शुरुआती सीन आज भी याद है, जहां एक इंसान की जान लेना उनके लिए बस एक पल का फैसला था। वही बेध ड़क अंदाज इस शो की पहचान बना। दूसरे और तीसरे सीजन में कहानी ने अपने पैर फैलाए, लेकिन कंट्रोल नहीं खोया। रिंकू (सूरज शर्मा) जैसे किरदार धीरे धीरे खेल के असली खिलाड़ी बनते गए और बरुण घोष (दिब्येंदु भट्टाचार्य) उस सिस्टम के खिलाफ खड़े रहने वाले जिद्दी चेहरे बने रहे। अब 'द फाइनल बैटल' में आकर लगता है कि मेकर्स ने सोचा, जितना हो सके उतना डाल दो। नतीजा यह है कि कहानी बड़ी तो हो जाती है, लेकिन कसाव खो देती है। इस बार कहानी पांच साल आगे बढ़ती है और शुरुआत से ही ऐसा लगता है कि सब कुछ एक साथ चल रहा है। अतवाल परिवार की सफाई चल रही है, अंदरूनी लड़ाई जारी है, बाहर नया धंधा शुरू हो गया है और ऊपर से मानव तस्करी का ट्रैक भी जोड़ दिया गया है। समस्या यह है कि कहानी एक दिशा पकड़ने के बजाय हर तरफ भागती है। हर एपिसोड में कुछ बड़ा होता है, लेकिन वह मिलकर बड़ा नहीं बनता। ऐसा लगता है जैसे किसी ने कई कहानियां एक ही थाली में परोस दी हों, और आप समझ ही नहीं पाते कि असली स्वाद किसका है। रिंकू (सूरज शर्मा) का ट्रैक सबसे साफ और दिलचस्प रहता है। बाकी चीजें या तो अधूरी लगती हैं या फिर बस शोर पैदा करती हैं।

हर्ष छाया इस बार अपने ही किरदार का रीमिक्स लगते हैं। वही गुस्सा, वही गालियां, लेकिन अब उसमें नया कुछ नहीं है। डराने के बजाय कई बार यह ओवरडोज जैसा लगने लगता है। दिब्येंदु भट्टाचार्य का हाल और खराब है। जो किरदार पहले इस कहानी का संतुलन था, वह यहां आकर साइड रोल बन जाता है। कई बार लगता है कि वह खुद मान चुके हैं कि अब कुछ नहीं बदलने वाला। सूरज शर्मा इस पूरे सीजन का अकेला ठोस पिलर है। शांत, ठंडा और हिसाबी। उनका अभिनय इतना कंट्रोल्ड है कि बाकी का शोर और ज्यादा साफ सुनाई देता है। नए किरदारों में विक्रम (गौतम रोडे), नताशा (शिवज्योति राजपूत) और डीजे (साकिब अयूब) आते हैं। लेकिन सच यह है कि इनमें से आधे किरदार आते ही इसलिए हैं कि कहानी और उलझे, सुलझे नहीं।

निर्देशक आशीष आर शुक्ला ने स्केल बढ़ाया है, इसमें कोई शक नहीं। लोकेशन बढ़िया हैं, कैमरा काम करता है, माहौल बनता है। लेकिन यह सब तभी काम आता है जब कहानी साथ दे। यहां कई सीन ऐसे हैं जो अलग से देखो तो बढ़िया लगते हैं, लेकिन पूरी सीरीज में जोड़ो तो वह असर नहीं बनता। कुछ एपिसोड तो ऐसे लगते हैं जैसे कहानी रुकी हुई है और बस किरदार इधर उधर घूम रहे हैं। सीरीज पूरी तरह अपनी पहचान नहीं खोती। इसका डार्क टोन अब भी बना रहता है और रिंकू का किरदार इसे संभालता है। कुछ सीन ऐसे हैं जो आपको पुराने सीजन की याद दिलाते हैं और थोड़ी देर के लिए कहानी फिर से पकड़ में आती है।

सबसे बड़ी दिक्कत यही है कि कहानी जरूरत से ज्यादा भर दी गई है। इतने किरदार और सबप्लॉट जोड़ दिए गए हैं कि कुछ भी पूरी तरह असर नहीं छोड़ पाता। पापाजी का किरदार दोहराव में फंस जाता है और बरुण घोष की भूमिका अपनी धार खो देती है। लगातार होती हिंसा का असर भी कम हो जाता है, क्योंकि दर्शक उससे जुड़ ही नहीं पाता। हिंसा इतनी बार होती है कि उसका असर ही खत्म हो जाता है। अगर आपने पहले के सीजन देखे हैं, तो आप इसे छोड़ नहीं पाएंगे। जानना चाहेंगे कि आखिर होता क्या है। लेकिन अगर आप उम्मीद कर रहे हैं कि यह सीजन आपको सीट से चिपका देगा, तो थोड़ा संभलकर बैठिए। 'अनदेखीरू द फाइनल बैटल' वह सीजन है जहां कहानी खत्म होनी चाहिए थी, लेकिन उसे और घुमा दिया गया। यह खराब नहीं है, लेकिन उतना टाइट भी नहीं है जितना होना चाहिए था। सीधी बात, यह सीजन चलता है क्योंकि इसके किरदार अभी भी दम रखते हैं, न कि इसलिए कि इसकी कहानी पूरी तरह सही बैठती है।

हेल्दी तरीके से वजन बढ़ाने में मदद करेंगी ये हर्ब्स

आज के समय में जहां अधिकतर लोग अपने बढ़े हुए वजन के कारण परेशान रहते हैं और उसे कम करने के लिए तरह–तरह के उपाय करते हैं। वहीं ऐसे भी कई लोग हैं, जो अंडरवेट हैं। वजन बहुत कम होने के कारण उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जरूरत से ज्यादा कम वजन वाले लोग अक्सर अपना वजन बढ़ाना चाहते हैं और इसके लिए तरह–तरह की दवाइयों का सेवन करते हैं। जबकि आपको वास्तव में अपनी डाइट को बदलने की जरूरत है। दरअसल, ऐसी कई हर्ब्स होती हैं, जिन्हें अगर डाइट में शामिल किया जाता है तो इससे नेचुरल तरीके से वजन को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही हर्ब्स के बारे में बता रहे हैं, जो नेचुरल वेट गेनर के रूप में काम करती हैं–

कैमोमाइल

कैमोमाइल को अपने भूख बढ़ाने वाले गुणों के लिए जाना जाता है। इसलिए, अगर रोजाना इसका सेवन किया जाता है तो इससे आपकी भूख में सुधार होता है। जिसके कारण आप स्वाभाविक रूप से अपने वजन में बदलाव देखेंगे। यदि आप जीवन भर पतले और कम वजन के रहे हैं, तो कैमोमाइल और इसके अर्क का उपयोग करें। कुछ ही दिनों में आपको अपने शरीर में परिवर्तन नजर आने लगेगा।

आंवला

विटामिन सी रिच आंवला ना केवल आपके इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाता है, बल्कि यह मीठी और खट्टी जड़ी बूटी पित्त और वात को शांत करती है। जिसके कारण अगर इसका नियमित रूप से सेवन किया जाता है तो इससे आपके स्वास्थ्य और वजन दोनों में सुधार होता है। यह ना केवल अम्लता को कम करने में मदद करता है, बल्कि पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को भी बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। आप आंवला को चटनी में या जूस के रूप में ले सकते हैं।

मुलेठी

इसकी कूलिंग प्रॉपर्टीज पित्त और वात को शांत करती है। मुलेठी प्रोटीन, अमीनो–एसिड और नेचुरल शुगर के साथ–साथ आवश्यक मिनरल्स जैसे आयरन, जिंक, सेलेनियम आदि का भी एक अच्छा स्रोत है। यह एक शक्तिशाली एंटी–ऑक्सीडेंट है और समग्र स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। मुलेठी वजन बढ़ाने में भी मददगार है। आप रोजाना चाय के रूप में मुलेठी का सेवन कर सकते हैं।

महिलाओं को पुशअप्स से मिलते हैं ढेरों फायदे, शुरू करने से पहले ना करें ये गलती

एक्सरसाइज में पुशअप्स का काफी खास रोल है। ये घर बैठे जिम जैसी बॉडी पाने की सबसे अच्छी एक्सरसाइज है। इसे वेट एक्सरसाइज में भी गिना जाता है क्योंकि ये पूरे बॉडी का भार उठाने का काम करती है। लेकिन महिलाओं को पुशअप्स करते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। खासतौर पर जब वो पुशअप्स को पहली बार करने वाली हों। आजकल इंटरनेट पर काफी सारे वीडियो मिल जाते हैं जो घर में ही एक्सरसाइज का सही तरीका बताते हैं। लेकिन जब भी पुशअप्स करें तो अपने बॉडी का पूरी तरह से ध्या रखें। क्योंकि पुशअप्स कई तरीके के होते हैं और जरा सी लापरवाही से आपकी कलाईयों के साथ ही कंधो को भी चोटिल कर सकते हैं।

किन बॉडी पार्ट्स के लिए फायदेमंद है पुशअप्स

पुशअप्स को वेट बॉडी एक्सरसाइज माना जाता है। जिससे ये पूरी बॉडी को शेप में देने का काम करती है। लेकिन खासतौर पर कंधे, चेस्ट, बाजुओं को सुडौल करने में ये हेल्प करती है। वहीं महिलाओं में पुशअप्स से सैगी ब्रेस्ट को भी काफी सपोर्ट मिलता है और वो शेप में आते हैं। बस इसे करते समय इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

पुशअप्स होते हैं कई टाइप के

हर एक्सरसाइज की तरह ही पुशअप्स भी कई तरह के होते हैं। जिन्हें आप अपने बॉडी वेट के हिसाब से कर सकती हैं। जब आपने कुछ ही दिनों पहले एक्सरसाइज शुरू की हो और पुशअप्स करने जा रही हों तो सबसे पहले इस पुशअप्स एक्सरसाइज को ट्राई करें।

वॉल पुशअप्स

वॉल पुशअप्स करने से ना केवल आपकी कलाईयां मजबूत बनती है बल्कि ये आपके ब्रेस्ट के लिए भी फायदेमंद है। शुरूआत में पूरी बॉडी का भार कलाईयों पर डाल देने से चोटिल होने का डर रहता है। ऐसे में वॉल पुशअप्स आपके कलाईओं को मजबूत बनाएगी। बस दीवार पर दोनों हथेलियों को टिकाएं और दीवार को धक्का देने जैसा अभ्यास करें। इस तरह का पुशअप्स एक्सरसाइज की शुरुआती स्टेज में करना जरूरी होती है।

चेयर पुशअप्स

जब आपकी कलाईयां मजबूत महसूस होने लगे तो आप कुर्सी के सहारे पुशअप्स कर सकती हैं। इसमे पीछे की तरफ किसी बेंच या कुर्सी को रखकर उसके आगे खड़े हो जाएं। हथेलियों को कुर्सी पर टिकाएं और फिर कोहनियों को मोड़ते हुए चेस्ट को कुर्सी के करीब तक ले जाएं। रोजाना 3 सेट में इस एक्सरसाइज को करने से शरीर में बैलेंस बनाने का अभ्यास होगा।

नी पुशअप्स

जब आपका बैलेंस बनना और कलाईयों को मजबूती मिल जाएगी तब नी पुशअप्स करना ठीक होगा। इसे करने के लिए घुटने के बल होकर हथेलियों को जमीन पर टिकाएं। फिर कोहनियों को मोड़ते हुए जमीन तक लाएं। रोजाना 3–4 सेट्स में इस पुशअप्स को करें।

फुल पुशअप्स

जब आप ऊपर दी गई सारी पुशअप्स का अभ्यास अच्छे से कर लें और इन सबको करना बिल्कुल आसान लगने लगे तब फुल पुशअप्स को करें। अगर आप पहले ही दिन फुल पुशअप्स करने की कोशिश करेंगी तो हो सकता है आपका हाथ और कंधो चोटिल हो जाएं। इसलिए पुशअप्स के इन सारे स्टेप को फॉलो करना फायदेमंद है।

गर्भावस्था के पहले तीन महीने में ये समस्याएं बच्चे को दे सकती हैं दिल की बीमारी, दिखने लगते हैं ये लक्षण

दिल की बीमारी इन दिनों बुजुर्ग लोगों के साथ ही यंग लोगों में भी दिख रही है। इसका कारण जरूरत से ज्यादा स्ट्रेस, क्षमता से अधिक फिजिकल वर्क, खराब लाइफस्टाइल और खानपान को माना जा रहा है। लेकिन बूढ़े और जवान लोगों के साथ ही नवजात शिशु भी दिल की बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। जिसे कॉन्जेनिटल हार्ट डिसीज कहते हैं। बच्चे जब पैदाइशी किसी ह्रदय विकार के साथ पैदा होते हैं तो इसे सीएचडी कहते हैं। इसमे बच्चे को गर्भ में दिल से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। ऐसे बच्चे जब पैदा होते हैं तो उनमे खास तरह के लक्षण दिखते हैं। जिसने पता लगाया जा सकता है कि बच्चे को दिल की बीमारी है।

बच्चे में दिखते हैं ऐसे लक्षण

बच्चा अगर दिल की बीमारी के साथ पैदा हुआ है तो उसमे कुछ लक्षण बिल्कुल शुरूआत से ही दिखना शुरू हो जाते हैं।

–मां का दूध पीने में असमर्थता
–बार–बार सर्दी–जुकाम या चेस्ट में इंफेक्शन
–जल्दी–जल्दी सांस लेना या आसमान्य तरीके से सांस लेना
––स्किन का रंग पीला सा दिखना या नीला दिखना
–वजन बहुत कम बढ़ना या ना बढ़ना
–पैर, आंखों और पेट के आसपास सूजन सा दिखना

अगर इस तरह के लक्षण दिखने पर भी इलाज ना मिले तो

बढ़ते बच्चों में कुछ अलग लक्षण दिखते हैं।

–बच्चा अचानक से होश खो देता है।
–हाथ के नाखून, पैर के नाखून, तलवे, होंठ नीले पड़ना
–जल्दी–जल्दी थक जाना
–ज्यादा फिजिकल एक्टीविटी ना कर पाना
–चलते–चलते भी सांस फूलने लगना।

जरूरी है सही इलाज

बच्चों की दिल सी जुड़ी बीमारी का सही समय पर उपचार जरूरी होता है। जिससे कि उसके विकास में बाधा ना पहुंचे। बच्चा अगर दिल की बीमारी के साथ बड़ा होता है तो उसमे शारीरिक या मानसिक विकास में रुकावट पैदा होने लगती है।

बच्चों में दिल की बीमारी के लिए ये वजहें हैं जिम्मेदार

नवजात बच्चों में होने वाली दिल की बीमारी मां के शरीर में हुई गड़बड़ी का नतीजा होती है। अगर प्रेग्नेंसी की फर्स्ट ट्राईमेस्टर जब दिल का विकास होता है, उस दौरान होने वाली मां को ठीक से पोषण नहीं मिलता तो बच्चे में दिल की बीमारी हो सकती है।

–प्रेग्नेंसी के पहले तीन महीने में अगर महिला को लगातार टायफाइड या मौसमी बुखार जैसी समस्याएं हैं तो उनमे बच्चे में दिल की समस्या के साथ पैदा होने के खतरे रहते हैं।
–प्रेग्नेंसी के दौरान गलत दवाओं के सेवन की वजह से भी बच्चे में दिल की बीमारी हो सकती है।
–स्मोकिंग और अल्कोहल की आदत भी बच्चे में दिल की समस्या पैदा कर देती है।
–कई बार मां–बाप के दिल की बीमारी से ग्रस्त होने की वजह से बच्चे को जेनेटिक ये समस्या मिल जाती है।
–प्रेग्नेंसी के शुरुआती समय में डायबिटीज और मिर्गी जैसी बीमारी को कंट्रोल ना करना।
–रेडिएशन की चपेट में आने वाली महिलाओं के बच्चे दिल की बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं।

डाइजेशन ठीक रखने के लिए जरूरी है आंतों की हेल्थ, इस तरह शरीर में बढ़ाएं गुड बैक्टीरिया

डाइजेस्टिव सिस्टम का हमारी बॉडी पर सीधा असर पड़ता है। क्योंकि हम जो कुछ भी खाते हैं वो उसका न्यूट्रिशन पचने के बाद ही बॉडी को मिलता है। ऐसे में अगर डाइजेस्टिव सिस्टम ही बिगड़ा रहे तो क्या करें? हालांकि कई बार फूड ठीक से पच जाने के बाद भी शरीर को पोषण नहीं मिल पाता। इसका कारण है आंतों की हेल्थ जो बॉडी में जरूरी हार्मोंस निकालती है और बॉडी को उन्हें ठीक से काम करने में हेल्प करती है। अगर आंतों की सेहत दुरुस्त नहीं हो तो किडनी से लेकर दिल की बीमारी तक होने का खतरा रहता है। कई बार मोटापा और तनाव जैसी बीमारियां भी पनपने लगती है। गट यानी आंतों की हेल्थ में खास तरह के बैक्टीरिया का हाथ होता है। जिन्हें गुड बैक्टीरिया भी कहते हैं।

कैसे काम करते हैं ये गुड बैक्टीरिया

गुड बैक्टीरिया आंत में आने वाले फाइबर फूड को तेजी से पचाने में हेल्प करते हैं। अगर गुड बैक्टीरिया कम होंगे तो फाइबर भी नहीं पचेगा और जरूरी पोषण शरीर को नहीं मिलेगा। इसलिए अपनी डाइट में इस तरह के फूड्स को शामिल करें।

फर्मेंटेड फूड है जरूरी

आंतों की सेहत को सही रखने और गुड बैक्टीरिया को बढ़ाने के लिए फर्मेंटेड फूड्स को जरूर खाना चाहिए। ये बॉडी में नेचुरल प्रोबायोटिक सप्लीमेंट की तरह काम करते हैं और आंतों में फायदेमंद माइक्रोबीस को इकट्ठा करते हैं। जिससे खाना पचने में मदद मिलती है।

कौन से फर्मेंटेड फूड है फायदेमंद

फर्मेंटेड फूड्स में डोसा जैसी चीजों को शामिल करना फायदा नहीं पहुंचाता है बल्कि कांजी, छाछ, दही, केफिर, कोम्बुचा, इडली और ढोकला फर्मेंटेड फूड्स में बेस्ट सप्लीमेंट हैं।

प्रोबायोटिक फूड्स को करें डाइट में शामिल

प्रोबायोटिक फूड्स वो होते हैं जो आंतों में गुड बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं। अलसी, ओट्स, चिया सीड, केला, सेब, बार्ली, दालें और फलियां ये सारे बेस्ट प्रोबायोटिक होते हैं।

बदल–बदल कर फूड खाना है फायदेमंद

अगर अपनी गट हेल्थ को सही रखना है तो हमेशा एक तरह के खाने से ना चिपके रहें। बल्कि हमेशा अलग–अलग डाइट को लेने से गट तेजी और अच्छे तरीके से काम करती है और सेहत पर पॉजिटिव असर पड़ता है।

टॉवल पर लग गया है हेयर डाई का दाग तो इस तरह करें उसे साफ

बालों को कलर करने के लिए अक्सर हम हेयर डाई का इस्तेमाल करते हैं। हेयर डाई से बाल तो कलर हो जाते हैं, लेकिन उसके दाग टॉवल पर लग जाते हैं। हेयर डाई के दाग जल्द से टॉवल से जाते नहीं हैं और इसके कारण टॉवल हमेशा गंदा ही नजर आता है। भले ही उसे कितना भी साफ कर लें, वह दाग रह ही जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ है तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। दरअसल, ऐसे कई आसान तरीके होते हैं, जिन्हें अपनाकर आप टॉवल पर लगे इस हेयर डाई के दाग को आसानी से साफ कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इन तरीकों के बारे में–

माउथवॉश की लें मदद

माउथवॉश ना केवल आपकी ओरल हेल्थ का ख्याल रखता है, बल्कि इसकी मदद से आप तौलिए पर लगे हेयर डाई के दाग को भी आसानी से क्लीन कर सकते हैं। इसके लिए आप टॉवल पर लगे दाग पर माउथवॉश डालें और फिर अपने पुराने टूथब्रश का उपयोग करके इसे साफ करें। इसके बाद आप दाग पर थोड़ा माउथवॉश और डालें और इसे भीगने दें। 5 मिनट के बाद आप अपने तौलिए को क्लीन करें।

सिरका आएगा काम

सिरके को आप अपनी किचन में ही नहीं, बल्कि क्लीनिंग में भी काम में ला सकते हैं। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि 2 कप सफेद सिरका और 2 बड़े चम्मच कपड़े धोने का डिटर्जेंट लें। आप इन दोनों को एक बाल्टी गुनगुने पानी में मिला लें। अपने तौलिये को इस मिश्रण में कुछ घंटों के लिए भीगने दें। इसके बाद आप अपने तौलिए को क्लीन करें।

हेयरस्प्रे की लें मदद

अगर आपकी हेयर किट में हेयरस्प्रे है तो ऐसे में आपको टॉवल पर लगे दाग को लेकर चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए आपको बस इतना करना है कि अपना हेयरस्प्रे लें और इसे दाग वाली जगह पर स्प्रे करें। हेयरस्प्रे में अल्कोहल और अन्य केमिकल्स होते हैं जो दाग को साफ करने में मदद कर सकते हैं। करीबन 5 मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अंत में, टॉवल को क्लीन करें।

व्यक्तिगत उपलब्धियों पर ध्यान नहीं दे रहे भुवनेश्वर कुमार, टीम के लक्ष्य को बताया महत्वपूर्ण

अहमदाबाद,एजेंसी। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। भुवनेश्वर इस सीजन विकेट लेने में सफल रहे हैं और फिलहाल पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। भुवनेश्वर का हालांकि मानना है कि वह व्यक्तिगत उपलब्धियों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और उनके लिए टीम के लक्ष्यों को पूरा करना ज्यादा महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरसीबी की तरफ से गुजरात टाइटंस के खिलाफ 28 रन देकर तीन विकेट लिए। उनकी टीम को हालांकि इस मैच में हार का सामना करना पड़ा। भुवनेश्वर ने कहा, पर्पल कैप मिलना अच्छी बात है, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उस दौर से आगे निकल चुका हूं जहां मैं व्यक्तिगत रूप से कुछ हासिल करना चाहता था। निश्चित रूप से मैं कुछ हासिल करना चाहता हूं। लेकिन अब यह टीम से जुड़ा हुआ है। अब मैं युवा नहीं हूं। जब आप युवा होते हैं तो पुरस्कार जीतना चाहते हैं और यह अच्छा प्रदर्शन करने पर ही आपको मिलते हैं। लेकिन जब आप टीम के लक्ष्य को ध्यान में रखकर काम करते हैं और तब आपको कोई व्यक्तिगत पुरस्कार या इनाम मिलता है, तो अच्छा लगता है। लेकिन सच कहूं तो मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहा हूं। टीम प्रबंधन ने मेरा हौसला बढ़ाया है। भुवनेश्वर ने स्वीकार किया कि इस सत्र में सभी मैदानों पर लक्ष्य का पीछा करना आसान रहा है।

उन्होंने कहा, अगर आप इस बार आईपीएल को देखें तो किसी भी मैदान पर लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो गया है। हमने टॉस नहीं जीता। हमें पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया था। हमने गेंदबाजी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश की। अब नतीजा यह है कि हम हार गए। हम रन बचाकर मैच नहीं जीत सकते थे। हम विकेट लेकर जीत सकते थे और जिन गेंदबाजों ने गेंदबाजी की वे विकेट लेने वाले सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज थे। आप हर मैच में हर विभाग में परफेक्ट नहीं हो सकते। हमने पूरे टूर्नामेंट में अब तक अच्छी बल्लेबाजी की थी।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स में नेतृत्व बदलाव, रवि के बने 22वें सीएमडी, डा. डीके सुनील रिटायर

बंगलूरू,एजेंसी। रक्षा क्षेत्र की सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में बड़ा बदलाव हुआ है। रवि के ने शुक्रवार को कंपनी के 22वें अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) के रूप में पद संभाल लिया। उन्होंने डॉ. डीके सुनील की जगह ली है, जो 30 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्त हो गए। रवि के के पास अनुसंधान एवं विकास, विनिर्माण और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे विविध क्षेत्रों में 30 वर्षों से अधिक का व्यापक अनुभव है। इससे पहले वे एचएएल में निदेशक (संचालन) के पद पर कार्यरत थे और कंपनी को महारत्न का दर्जा दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य एचएएल को नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, परिचालन उत्कृष्टता और कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से एक वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी एयरोस्पेस और रक्षा उद्यम में बदलना है।

रवि के ने अपने करियर में कई अहम नेतृत्व जिम्मेदारियां निभाई हैं। वे कार्यकारी निदेशक और एलसीए तेजस डिवीजन के महाप्रबंधक रह चुके हैं, साथ ही कार्यकारी निदेशक (कॉर्पोरेट योजना) जैसे रणनीतिक पदों पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके कार्यकाल के दौरान एचएएल ने कई बड़े रक्षा अनुबंध सफलतापूर्वक पूरे किए। इनमें भारतीय वायु सेना को 180 एलसीए तेजस और भारतीय सेना एवं वायु सेना को 156 एलसीएच प्रचंड हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति से जुड़े अनुबंध शामिल हैं। उन्हें भारतीय वायु सेना में एलसीए तेजस बेड़े के सफल संचालन का श्रेय भी दिया जाता है। रवि के ने ग्राहक–केंद्रित पहलों पर विशेष जोर दिया। उन्होंने बेड़े की सेवाक्षमता बढ़ाने, भारतीय वायु सेना के ठिकानों के साथ निर्बाध डेटा संचार स्थापित करने और समय पर सहायता सुनिश्चित करने के लिए एकल संपर्क बिंदु (एसपीओसी) प्रणाली लागू करने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, उन्होंने स्थानीयकरण को बढ़ावा देते हुए नासिक में उत्पादन क्षमता का विस्तार किया, जिससे तेजस कार्यक्रम में स्वदेशी क्षमताएं मजबूत हुईं। प्रमुख विमान असेंबली को निजी क्षेत्र के साझेदारों को आउटसोर्स करने की रणनीति भी उनकी पहल का हिस्सा रही, जिसने अब निरंतर डिलीवरी के रूप में ठोस परिणाम देना शुरू कर दिया है। उनकी रणनीतिक पहलों के चलते एचएएल ने सिविल विनिर्माण व रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) क्षेत्र में भी विस्तार किया है। इससे कंपनी के लिए नए राजस्व स्रोत खुले हैं और बाजार में उसकी उपस्थिति मजबूत हुई है। शैक्षणिक रूप से रवि के कर्नाटक के मालनाड कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। इसके अलावा वे आईआईएम अहमदाबाद और फ्रांस के आईएएस, टूलूज के पूर्व छात्र हैं। वे मल्टी–रोल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट लिमिटेड के बोर्ड में नामित निदेशक के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

संक्षिप्त

कनाडा ने इस भारतीय को सौंपी पुरुष टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी, कोचिंग का है लंबा अनुभव

नई दिल्ली,एजेंसी। क्रिकेट कनाडा ने मोंटी देसाई को पुरुषों की राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच बनाया है। देसाई की नियुक्ति को कनाडा क्रिकेट के विकास के लिए अहम माना जा रहा है। मोंटी देसाई के पास 20 साल से ज्यादा का अंतरराष्ट्रीय कोचिंग का अनुभव है। इसमें नेपाल को वनडे टीम का दर्जा दिलाने और कई आईसीसी इवेंट्स के लिए क्वालिफाई कराने में मदद करना शामिल है। देसाई ने नेपाल के अलावा, अफगानिस्तान और यूएई की सफलता में योगदान दिया है। कनाडा पुरुष क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद मोंटी देसाई ने कहा, मुझे यह जिम्मेदारी लेते हुए गर्व महसूस हो रहा है। मैं क्रिकेट कनाडा को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देता हूं। कनाडा में मेरे पिछले अनुभव ने मुझे संभावना और खेल के लिए मौजूद पैशन को स्पष्ट तौर पर समझने में मदद की है। वैश्विक रूप से क्रिकेट के विकास में एसोसिएट क्रिकेट का विकास अहम है। नेपाल और अफगानिस्तान जैसी टीमों ने दिखाया है कि विश्वास, अनुशासन और निडरता से क्या हासिल किया जा सकता है। कनाडा के पास भी ऐसा ही मौका है, और मेरा फोकस एक ऐसी संस्कृति बनाने पर होगा जो इस क्षमता को अंतरराष्ट्रीय मंच पर लगातार प्रदर्शन में बदल दे। क्रिकेट कनाडा के अध्यक्ष अरविंदर खोसा ने कहा, हमारी सबसे पहली प्राथमिकता पेशेवर और लक्ष्य की एक नई और मजबूत भावना के जरिए क्रिकेट कनाडा की पहचान को फिर से बनाना है। मोंटी देसाई की नियुक्ति इसी उद्देश्य के साथ की गई है। एसोसिएट देशों, खासकर नेपाल और अफगानिस्तान के साथ उनका अनुभव, प्रभावी नेतृत्व, अनुशासन और एक साफ लंबी अवधि के जरिए टीमों को बदलने की उनकी काबिलियत दिखाता है। हमें भरोसा है कि उनके नेतृत्व में कनाडा क्रिकेट टीम तरक्की करेगी।

रितिका श्री तमिलनाडु की पहली ट्रांसजेंडर क्रिकेट अंपायर बनींय पेश की मिसाल

नई दिल्ली,एजेंसी। समाज में बदलाव की मिसाल पेश करते हुए 31 वर्षीय रितिका श्री तमिलनाडु की पहली पंजीकृत ट्रांसजेंडर क्रिकेट अंपायर बन गई हैं। लेकिन इसके पीछे संघर्ष और साहस की लंबी कहानी छिपी है। पिछले साल सितंबर में, कोयंबटूर के एक शैक्षणिक संस्थान में बतौर अंपायर अपने पहले मैच में पहुंचीं रितिका को सुरक्षाकर्मी ने गेट पर रोक दिया। गार्ड ने उन्हें वहां से भगा दिया। रितिका ने हिम्मत नहीं

हारी और डटकर कहा कि वह अंपायरिंग के लिए आई हैं पर कोई नहीं माना। फिर अधिकारियों ने हस्तक्षेप कर उन्हें मौका दिया। यह उनका पहला मैच था, मौका जो उनके लिए खुशी का होना चाहिए था वो अपमान में बदल गया। रितिका ने कहा कि उस सुबह मैंने सवाल किया, एक ट्रांसजेंडर सामान्य जीवन क्यों नहीं जी सकता। उन्होंने लड़ाई लड़ी जिसमें कोयंबटूर डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (सीडीसीए) ने साथ दिया। लैंगिक समानता के प्रति जारूकगता बढ़ाई। अब हर मैच से पहले वेन्यू को मैसेज जाता है कि रितिका श्री अंपायरिंग करेंगी उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। रितिका कहती हैं, मैदान पर मुझे मैडम कहकर पुकारा जाता है। मैंने एक भी टिप्पणी नहीं सुनी। अगले महीने रितिका तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन की अंपायर परीक्षा देंगी। शुरू में फॉर्म में थर्ड जेंडर का विकल्प नहीं था पर रितिका के प्रयास से इसमें बदलाव हुआ है और तीसरे लिंग का विकल्प जोड़ दिया गया। 2019 में आईपीएल देखते हुए रितिका ने सोचा वह अंपायर बनेंगी। तब उनका नाम मुथु राज था। 2020 लॉकडाउन में आईटी जॉब चली गई तो उन्होंने सलेम जाकर अंपायरिंग शुरू की। हालांकि, लिंग बदलने के कारण साल भर क्रिकेट से दूर रहीं। वापसी पर अधिकारियों में तीसरे लिंग का विकल्प नहीं था। लेकिन सीडीसीए ने उनका शानदार रिकॉर्ड देखा और उन्हें शामिल कर लिया।

अंग्रेजों को पीछे छोड़ भारतीय टीम ने लगाई छलांग, टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा

नई दिल्ली,एजेंसी। खेल की वैश्विक संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को वार्षिक टेस्ट टीम की रैंकिंग जारी की, जिसमें बड़ा फेरबदल देखने को मिला। भारतीय टेस्ट टीम एक स्थान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गई। शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम ने इंग्लैंड को पीछे छोड़ दिया। वहीं, शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया का दबदबा है। रैंकिंग अपडेट में मई 2025 के बाद खेले गए मैचों को महत्व दिया गया है, जबकि उससे पहले के मुकाबलों का प्रभाव 50 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी कारण रैंकिंग में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले। शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम 131 रेटिंग अंकों के साथ मजबूती से कायम है और उसने अपनी बढ़त को और मजबूत किया है। दूसरे स्थान पर मौजूदा विश्व टेस्ट चौंपियन दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम 119 अंकों के साथ बरकरार है। सबसे बड़ा बदलाव तीसरे स्थान के लिए हुआ, जहां भारत 104 अंकों के साथ एक पायदान ऊपर चढ़ गया, जबकि इंग्लैंड 102 अंकों के साथ चौथे स्थान पर खिसक गया। इंग्लैंड को पुराने मैचों जैसे न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू जीत और पाकिस्तान में मिली सीरीज जीत का पूरा फायदा नहीं मिला। अन्य बदलावों में पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने श्रीलंका क्रिकेट टीम को पीछे छोड़ दिया है। वहीं वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम, बांग्लादेश क्रिकेट टीम और जिम्बाब्वे क्रिकेट टीम टॉप–10 में अपनी जगह बनाए हुए हैं। इस अपडेट में आयरलैंड क्रिकेट टीम रैंकिंग से बाहर हो गई है, क्योंकि उसने निर्धारित अवधि में पर्याप्त टेस्ट मैच नहीं खेले। वहीं, विश्व टेस्ट चौंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025–27 चक्र की बात करें तो भारत अभी भी छठे स्थान पर है, जहां उसका अंक प्रतिशत 48.15 है।

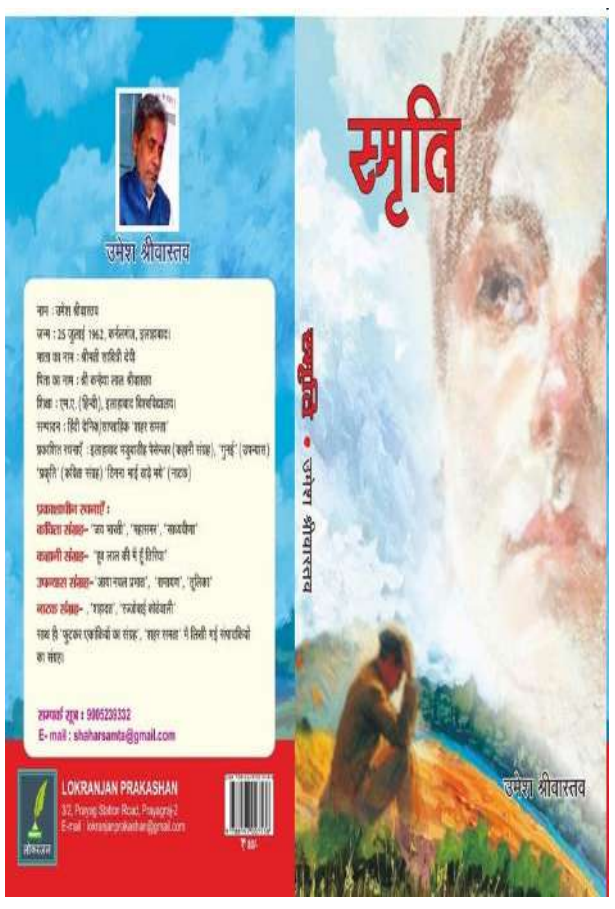

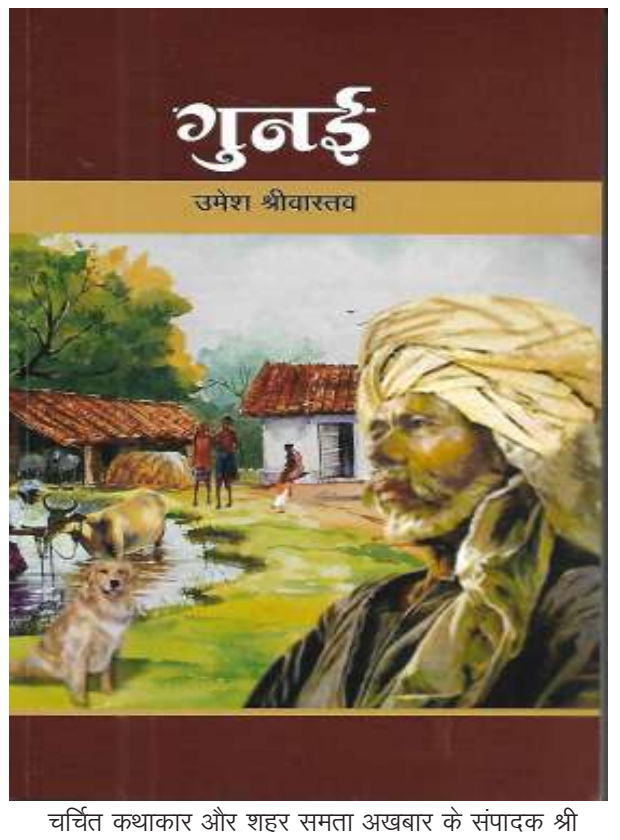

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

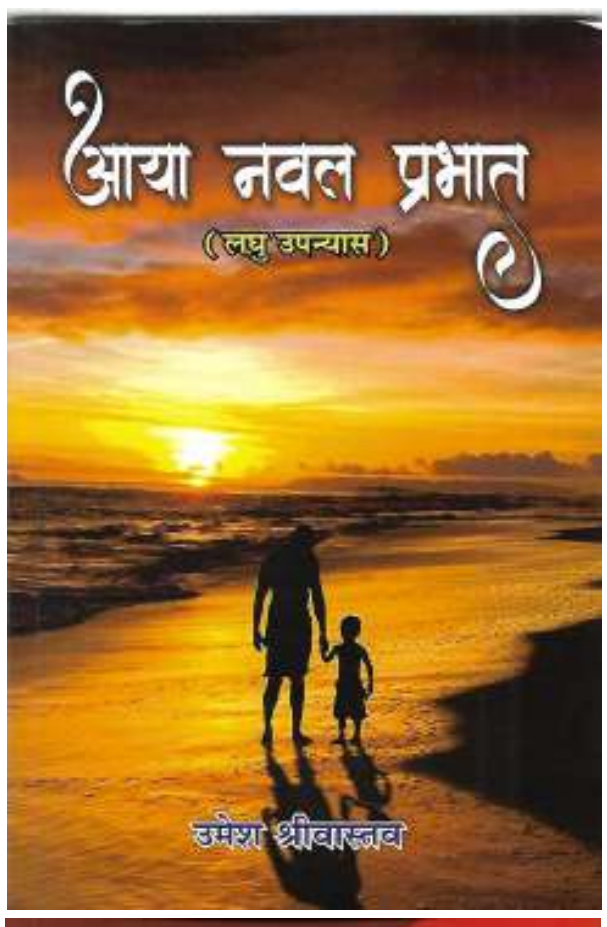

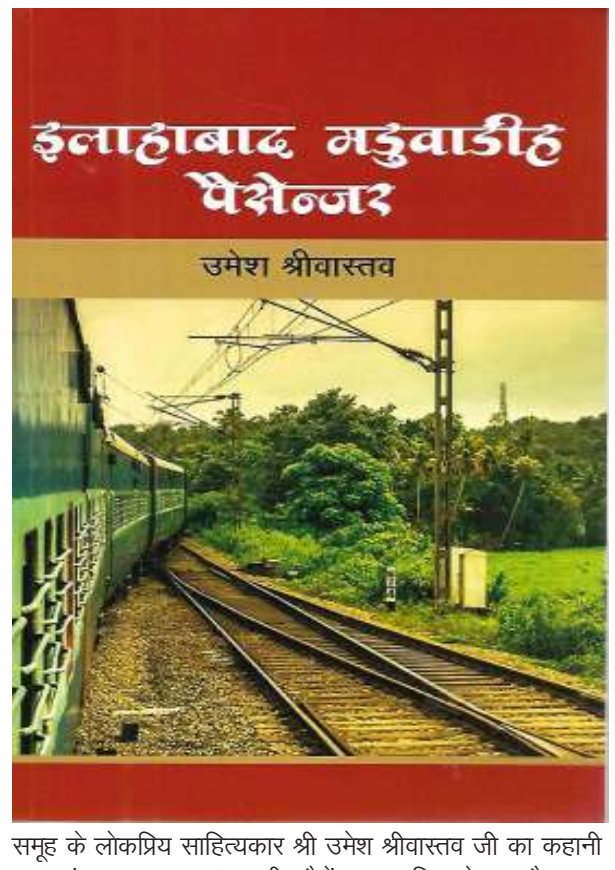

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

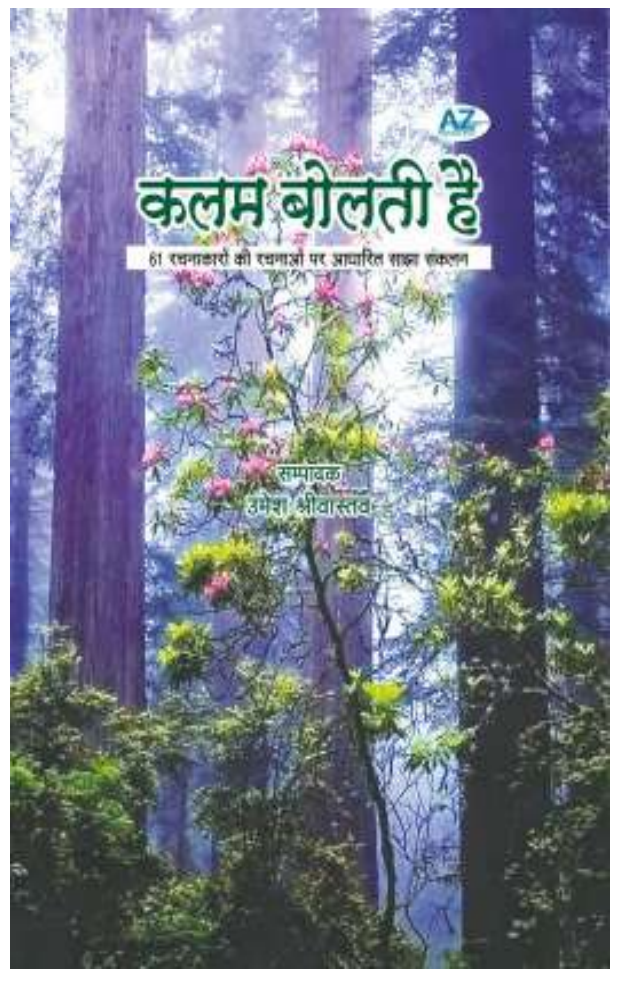

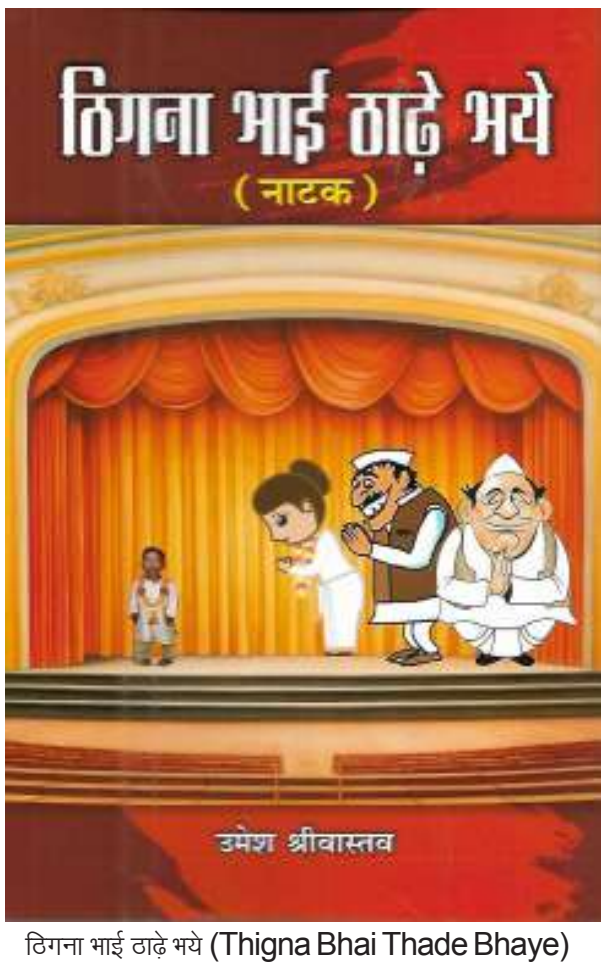

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

स्कूल अध्यापिका ने नाबालिग छात्र का किया यौन शोषण, अदालत ने सुनाई 15 साल की सजा

मिशिगन, एजेंसी। अमेरिका में एक 27 साल की स्कूल टीचर को नाबालिग छात्र का यौन शोषण करने का दोषी पाए जाने के बाद 4 से 15 साल की सजा सुनाई गई है। दोषी अध्यापिका ने खुद नाबालिग छात्र का यौन शोषण करने की बात स्वीकार की थी। महिला टीचर ने स्वीकार किया कि नाबालिग छात्र को उसके घर पर ट्यूशन पढ़ाते समय उसका शोषण किया। मिशिगन के पोंटियाक की निवासी दोषी

अध्यापिका जोसेलिन सेनरोमन को 28 अप्रैल को सजा सुनाई गई। सेनरोमन को बीते मार्च में अपराध का दोषी पाया गया था। जज ने भी अपराध पर जताई हैरानी महिला अध्यापिका ने साल 2023 में नाबालिग छात्र का यौन शोषण उस समय किया, जब आरोपी अध्यापिका सेनरोमन वॉटरफोर्ड टाउनशिप में ओकसाइड प्रेप एकेडमी में पढ़ा रही थीं। इस अवैध संबंध का खुलासा तब हुआ, जब सेनरोमन ने ही एक सहकर्मी को इसके बारे में बताया। सहकर्मी ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद सेनरोमन को गिरफ्तार कर लिया गया और फिर अदालत की कार्यवाही शुरू हुई। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले की सुनवाई कर रहीं जज चेरिल मैथ्यूज ने हैरानी जताई कि सेनरोमन ने न केवल छात्र के साथ यौन संबंध बनाए, बल्कि अपने घर पर इस अवैध कृत्य का वीडियो भी बनाया। जज ने सेनरोमन से सवाल पूछा, श्एक नाबालिग का फायदा उठाना और उसका वीडियो बनाना बहुत ही खतरनाक व्यवहार है। आप एक नाबालिग के साथ उसके घर पर यौन संबंध बना रही थीं। यह बेहद घिनौना है।श इस पर आरोपी शिक्षिका ने अपने किए पर पछतावा जाहिर किया। आरोपी शिक्षिका मानसिक समस्याओं से जूझ रही आरोपी शिक्षिका सेनरोमन की वकील ने सुनवाई के दौरान जज को बताया कि आरोपी को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कुछ ऐसी समस्याएं थीं, जिनका इलाज नहीं हुआ था, और इन समस्याओं ने उनके फैसले लेने की क्षमता को प्रभावित किया। ओकलैंड काउंटी की अभियोजक कैरेन मैकडॉनल्ड ने अन्य छात्रों की सुरक्षा करने के लिए उस सहकर्मी की सराहना की, जिसने सेनरोमन की शिकायत की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सेनरोमन का अपने पद–स्थिति का दुरुपयोग करके एक नाबालिग पीड़िता का शोषण करने का आरोप है, जो विश्वास का सबसे बड़ा उल्लंघन है।

76 दिनों के बाद अमेरिका में सरकारी शटडाउन खत्म, डीएचएस के लिए फंडिंग बिल पारित

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 76 दिनों से चला आ रहा सरकारी शटडाउन आखिरकार समाप्त हो गया है। यह इतिहास का सबसे लंबा सरकारी शटडाउन बताया जा रहा है। अमेरिकी सदन ने गुरुवार को डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) के अधिकांश हिस्सों के लिए धन मुहैया कराने वाले एक विधेयक को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी, जिससे विभिन्न एजेंसियों को प्रभावित करने वाले इस लंबे गतिरोध का औपचारिक रूप से अंत हो गया है। डीएचएस के सुरक्षा सचिव मार्कवेन मुलिन ने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि डीएचएस फिर से खुल गया है। उन्होंने बताया कि आव्रजन और सीमा प्रवर्तन (आईसीई) और सीमा गश्ती (सीबीपी) जैसी एजेंसियों के लिए धन की व्यवस्था सुलह प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी, जिसमें डेमोक्रेट वोटों की आवश्यकता नहीं पड़ी। मुलिन ने इस शटडाउन के लिए डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराया और उन संघीय कर्मचारियों को धन्यवाद दिया जिन्होंने बिना वेतन की गारंटी के देश की सेवा जारी रखी। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप और वै नेतृत्व की ओर से इस लड़ाई में उनके साथ होने के लिए आभार व्यक्त किया। यह विधेयक अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए भेजा गया है। यह शटडाउन 14 फरवरी को शुरू हुआ था और अमेरिका के इतिहास में सबसे लंबा आंशिक सरकारी शटडाउन बन गया था। हालांकि आईसीई और सीमा गश्ती जैसे कुछ विभाग पहले से मिले वित्तपोषण के कारण काफी हद तक प्रभावित नहीं हुए थे, लेकिन तटरक्षक बल (कोस्ट गार्ड), परिवहन सुरक्षा प्रशासन (टीएसए) और संघीय आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी (फेमा) जैसी अन्य महत्वपूर्ण एजेंसियों को गंभीर परिचालन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने बताया कि विधायी रणनीति में दो–तरफा दृष्टिकोण अपनाया गया था। उन्होंने कहा कि उन्होंने गृहभूमि सुरक्षा विधेयक को इसलिए रोका क्योंकि वे यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि दो महत्वपूर्ण एजेंसियों को अलग या समाप्त न किया जा सके। एक बार जब धन की व्यवस्था सुरक्षित हो गई, तो विधायक अतिरिक्त कानून बनाने की दिशा में आगे बढ़ सके। तटरक्षक बल के एडमिरल केविन लुंडे ने अपने कर्मचारियों के मनोबल को ष्बड़काऊष बताया और लंबे समय तक धन की कमी को ष्अविश्वसनीय रूप से निराशाजनकष करार दिया।

ट्रंप का दावा- ईरान समझौता करने को बेताब, भारत-पाक संघर्ष और नोबेल पुरस्कार पर कही ये बात

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया संकट पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया कि ईरान समझौते के लिए बेताब है। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अमेरिका–इस्राइल के युद्ध को लेकर कहा कि सैन्य अभियान के बावजूद, मैं इसे जंग नहीं कहता हूं। उन्होंने कहा कि ईरान की नौसेना, वायु सेना और लगभग हर तरह का हथियार नष्ट हो चुका है। अमेरिका राष्ट्रपति ने दावा करते हुए कहा, ईरान के ड्रोन कारखाने लगभग 82: ठप हो चुके हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

राष्ट्रपति ट्रंप ने जारी किया नया कार्यकारी आदेश, कम आय वालों को सरकार देगी 1,000 डॉलर तक का मैचिंग फंड

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लाखों अमेरिकियों को खासकर कम आय वाले और नियोक्ता–प्रायोजित योजनाओं से वंचित कामगारों के लिए रिटायरमेंट सेविंग्स खातों तक पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इसे ऐतिहासिक कार्यकारी आदेश बताते हुए ट्रंप ने कहा कि यह पहल आम नागरिकों को संघीय कर्मचारियों जैसी उच्च गुणवत्ता वाली रिटायरमेंट सेविंग्स योजनाओं का लाभ देगी। 1,000 डॉलर तक का मैचिंग फंड उन्होंने कहा, श्आज दोपहर मैं लाखों अमेरिकियों के लिए उच्च गुणवत्ता वाले रिटायरमेंट सेविंग्स खातों तक पहुंच बढ़ाने वाले एक ऐतिहासिक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करते हुए बेहद उत्साहित हूं।श ट्रंप के अनुसार कम आय वाले

अमेरिकियों को उनके खातों में सरकार की ओर से प्रति वर्ष 1,000 डॉलर तक का मैचिंग फंड मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम पारंपरिक रोजगार संरचनाओं से बाहर काम करने वाले लोगों के लिए बेहद अहम साबित होगा। उन्होंने कहा, श्जिन लाखों अमेरिकियों के पास नियोक्ता–प्रायोजित योजनाएं नहीं हैं। उनके लिए यह क्रांतिकारी होगा क्योंकि अब वे भी इसके दायरे में होंगे।श ट्रंप ने इसके दीर्घकालिक लाभ का उदाहरण देते हुए कहा, श्अगर 25 साल का कोई व्यक्ति हर महीने सिर्फ 165 डॉलर निवेश करता है, तो 65 साल की उम्र तक उसके खाते में अनुमानित 4,65,000 डॉलर हो सकते हैं। मध्यम आय वर्ग तक बढ़ाने पर विचार राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हैसेट ने कहा कि यह नीति रिटायरमेंट सेविंग्स तक पहुंच में मौजूद संरचनात्मक खामियों को दूर करने के लिए तैयार की गई है। उन्होंने कहा, श्आपने कम आय वाले, 35,000 डॉलर से कम आय वाले लोगों को यह मैचिंग सुविधा दी है।श हैसेट ने बताया कि प्रशासन इस योजना के विस्तार पर भी काम कर रहा है। श्हम कांग्रेस के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को काफी विस्तार देने की दिशा में काम कर रहे हैं। उन्होंने इसके साथ ही यह भी जोड़ा कि इसे मध्यम आय वर्ग तक बढ़ाने पर विचार हो रहा है। ट्रंप ने माना कि योजना को और आगे बढ़ाने के लिए विधायी मंजूरी जरूरी होगी। उन्होंने कहा, श्अगले स्तर तक ले जाने के लिए हमें कांग्रेस की मंजूरी चाहिए। यह द्विदलीय समर्थन से होना चाहिए। इस कार्यक्रम के तहत चौरिटेबल संगठनों को भी इंडिविजुअल रिटायरमेंट अकाउंट यानी व्यक्तिगत रिटायरमेंट खातों (आईआरए) में योगदान देने की अनुमति होगी, जिससे भागीदारी का दायरा और बढ़ेगा। हैसेट ने कहा, श्ट्रंप आईआरए के तहत चौरिटी भी दूसरों के खातों में योगदान कर सकती हैं।

रोजगार और निवेश में बढ़ोतरी का हवाला दिया ट्रंप ने इस पहल को व्यापक आर्थिक प्रदर्शन से भी जोड़ा और रोजगार व निवेश में वृद्धि का हवाला दिया। उन्होंने कहा, श्इस समय हमारे देश के इतिहास में सबसे ज्यादा लोग काम कर रहे हैं।श्अमेरिका की रिटायरमेंट प्रणाली लंबे समय से नियोक्ता–आधारित योजनाओं पर निर्भर रही है, जिससे गिग वर्कर्स और असंगठित श्रमिकों का एक बड़ा वर्ग इससे बाहर रह जाता है। हाल के वर्षों में इस खाई को पाटने के प्रयासों को दोनों दलों का समर्थन मिलता रहा है।

पश्चिम एशिया में लंबे युद्ध की तैयारी कर रहा यूएस, भेजा 6500 टन गोला-बारूद, तस्वीरों ने बढ़ाई चिंता

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना पश्चिम एशिया में लंबे युद्ध की तैयारी कर रही है। दरअसल अमेरिकी नौसेना अपने जहाजों के माध्यम से पश्चिम एशिया में ईंधन, खाना, हथियार और बाकी जरूरी सामान भेज रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कर इसकी जानकारी दी है। कुछ तस्वीरों में लिखा गया है कि गाइडेड–मिसाइल डेस्ट्रॉयर यूएसएस डेलबर्ट डी ब्लैक पर ईंधन, खाना, हथियार और जरूरी सप्लाई लोड की जा रही है। अमेरिका ने छह हजार टन से ज्यादा गोला–बारूद इस्राइल भेजा मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अमेरिका ने बीते 24 घंटे में 6 हजार टन से ज्यादा गोला बारूद और हथियार इस्राइल भेजे हैं। इससे आशंका गहरा गई है कि अमेरिका, ईरान के खिलाफ फिर से युद्ध शुरू कर सकता है। इस्राइली मीडिया के अनुसार, दो कार्गो जहाज और कई विमान 6500 टन गोला बारूद, मिलिट्री ट्रक, जॉइंट लाइट टेक्टिकल व्हीकल और अन्य हथियार लेकर इस्राइल

पहुंचे हैं। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका ने इस्राइल 1,15,600 टन गोला बारूद, हथियार भेजे हैं। इस बार युद्ध छिड़ा तो ईरान पर ताकतवर हमला करेगा अमेरिका इस बीच अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड के कमांडर ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की और उन्हें ईरान के खिलाफ संभावित हमला करने के विकल्पों की जानकारी दी है। फॉक्स न्यूज के अनुसार एडमिरल ब्रैड कूपर ने व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम में ट्रंप के साथ बैठक में ये विकल्प पेश किए। इसमें बताया गया कि अगर ट्रंप दोबारा हमले का फैसला लेते हैं, तो एक छोटा लेकिन बहुत ताकतवर हमला किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इस हमले में ईरान की बची हुई सैन्य ताकत, उसके नेता और अहम ढांचे निशाने पर होंगे। अमेरिका कई खतरनाक और उन्नत हथियारों के इस्तेमाल पर कर रहा विचार अमेरिकी सेना इस बार ज्यादा मारक तरीके से ईरान पर हमले की तैयारी कर रही है और इसी लिए कुछ नए और उन्नत हथियार इस्तेमाल करने पर भी विचार कर रही है।

इनमें डार्क ईगल हाइपरसोनिक मिसाइलें भी शामिल हैं। अमेरिकी सेना की तैयारियों की ये तस्वीर ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि ईरान सीजफायर की आड़ में वो हथियार निकाल रहा है जो पिछले हमलों के दौरान नीचे छिपे या दबे हुए थे। एनबीसी न्यूज के मुताबिक, ईरान की सरकार ने उन मिसाइलों और दूसरे हथियारों को निकालने की कोशिशें तेज कर दी हैं जो यूएस–इस्राइली हवाई हमलों के बाद जमीन के नीचे या मलबे में दबे हुए थे। ईरान भी ज्यादा मारक तरीके से पश्चिम एशियाई देशों को बना सकता है निशाना रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से तर्क दिया गया है कि अगर राष्ट्रपति ट्रंप मिलिट्री ऑपरेशन दोबारा शुरू कराने का फैसला करते हैं, तो ईरान बढ़ी हुई ड्रोन और मिसाइल क्षमता का प्रयोग पश्चिम एशिया के अन्य देशों पर हमले के लिए कर सकता है। ईरान की राजधानी तेहरान में गुरुवार रात एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय होने की भी खबरें आईं। ईरानी मीडिया श्तसनीमश और श्फार्सश के अनुसार, ये सिस्टम छोटे ड्रोन या टोही विमानों को मार गिराने के लिए सक्रिय किए गए थे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि यह केवल अभ्यास था या वास्तविक खतरे के जवाब में उठाया गया कदम था।

ब्रिटेन में आतंकी हमले का खतरा बढ़ा: जांच एजेंसी ने यहूदी समुदाय को किया अलर्ट, गृह मंत्री ने जताई चिंता

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में आतंकी खतरे का स्तर सब्स्टैंशल से बढ़ाकर सीवियर कर दिया गया है। इससे यह संकेत मिलता है कि देश में आतंकी हमला होने की संभावना अब काफी अधिक मानी जा रही है। यह फैसला उत्तर–पश्चिम लंदन के गोल्डर्स ग्रीन इलाके में हुए यहूदी विरोधी चाकूबाजी हमले के बाद सामने आया है। हालांकि ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी से जुड़े संयुक्त आतंकवाद विश्लेषण केंद्र (श्रज।ब) ने स्पष्ट किया है कि खतरे का स्तर बढ़ाने का निर्णय केवल इसी घटना के आधार पर नहीं लिया गया, बल्कि पिछले कुछ समय से देश में आतंकी खतरे में लगातार वृद्धि देखी जा रही थी। जेएटीसी ने क्या बताया? जेएटीसी के अनुसार, यह बढ़ता खतरा मुख्य रूप से इस्लामी कट्टरपंथ और चरम दक्षिणपंथी विचारधाराओं से प्रेरित छोटे समूहों और अकेले हमलावरों से जुड़ा हुआ है, जो देश के भीतर सक्रिय हैं। ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा कि सीवियर स्तर का मतलब है कि आतंकी हमला अत्यधिक संभावित है और यह स्थिति कई लोगों, खासकर यहूदी समुदाय के लिए चिंता का कारण बन सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार यहूदी समुदाय की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कदम उठा रही है, जिसमें सिनेगॉग, स्कूलों और सामुदायिक केंद्रों की सुरक्षा के लिए रिकॉर्ड स्तर पर फंडिंग और पुलिस व्यवस्था बढ़ाना शामिल है। ब्रिटेन में आतंकी खतरे का स्तर पांच चरणों में तय किया जाता है, जिसमें सीवियर स्तर सबसे ऊंचे क्रिटिकल से ठीक एक स्तर नीचे है। क्रिटिकल का अर्थ होता है कि हमला निकट भविष्य में होने की आशंका है। ऐसे में सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। यह निर्णय उस हमले के बाद आया है जिसमें दो यहूदी पुरुषों एक 76 वर्षीय और दूसरा 34 वर्षीय को सड़क पर चाकू मार दिया गया। इस मामले में 45 वर्षीय सोमालिया मूल के एक ब्रिटिश नागरिक को मौके से गिरफ्तार किया गया है और वह फिलहाल पुलिस हिरासत में है। हाल के महीनों में लंदन में यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। 23 मार्च को गोल्डर्स ग्रीन में स्वयंसेवकों द्वारा संचालित चार एंबुलेंसों में आग लगा दी गई थी, जिससे धमाके भी हुए थे। इस मामले में तीन लोगों पर आरोप तय किए गए हैं। इसके अलावा, हाल ही में उसी इलाके में एक मेमोरियल वॉल को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई, जिसकी जांच फिलहाल काउंटर–टेररिज्म पुलिस कर रही है। 21 अप्रैल को पुलिस ने यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर आगजनी की साजिश रचने के आरोप में सात लोगों को गिरफ्तार किया था। इसी दिन एक 17 वर्षीय किशोर ने केंटन स्थित एक सिनेगॉग पर पेट्रोल बम से हमला करने की बात स्वीकार की थी।

ब्रिटेन के शाही परिवार के सम्मान में ट्रंप का बड़ा एलान, स्कॉच व्हिस्की पर टैरिफ हटाने की घोषणा

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला के अमेरिका के राजकीय दौरे के सम्मान में बड़ा एलान किया है। ट्रंप ने ब्रिटिश स्कॉच और व्हिस्की पर लगे टैरिफ और व्यापार प्रतिबंध को हटाने का एलान किया है। ट्रुथ सोशल पर साझा एक पोस्ट में उन्होंने कहा, श्यूनाइटेड किंगडम के राजा और रानी के सम्मान में, जो अभी अभी व्हाइट हाउस से रवाना हुए हैं और जल्द ही अपने शानदार देश लौट रहे हैं, मैं व्हिस्की पर लगे टैरिफ और प्रतिबंधों को हटा रहा हूं, जो स्कॉटलैंड और केंटकी राष्ट्रमंडल के बीच व्हिस्की और बॉर्बन की व्यापार क्षमता से संबंधित हैं। ये स्कॉटलैंड और केंटकी के दो बहुत महत्वपूर्ण उद्योग हैं। ट्रंप ने लिखा, श्लोग लंबे समय से इसकी मांग कर रहे थे। राजा और रानी ने मुझसे वह काम करवा दिया, जो कोई और नहीं कर सका और वह भी बिना पूछे। अमेरिका में उन दोनों का होना, मेरे लिए एक अद्भुत सम्मान की बात है।श ट्रंप ने अपने इस कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर भी कर दिए हैं। किंग चार्ल्स तृतीय और रानी कैमिला ने बुधवार को 9ध11 स्मारक का दौरा कर आतंकी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। किंग चार्ल्स ने न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी और पूर्व मेयर माइकल ब्लूमबर्ग से भी मुलाकात की। पहले टैरिफ और अब ईरान युद्ध में शामिल होने से ब्रिटेन के इनकार के चलते अमेरिका और ब्रिटेन के संबंध तनावपूर्ण चल रहे हैं। ईरान युद्ध में साथ नहीं देने के लिए ट्रंप कई बार सार्वजनिक तौर पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की तीखी आलोचना कर चुके हैं। अमेरिका के साथ ब्रिटेन के संबंध मजबूत करने के लिए ब्रिटिश शाही परिवार का इस्तेमाल ब्रिटेन की पुरानी रणनीति रही है।

जेपी मॉर्गन की वरिष्ठ अधिकारी पर यौन शोषण और नस्लीय उत्पीड़न के गंभीर आरोप, कोर्ट में मामला दर्ज

न्यूयॉर्क , एजेंसी। दुनिया के बड़े बैंकिंग समूह जेपी मॉर्गन चेस एक बार फिर विवादों में घिर गया है। कंपनी की एक वरिष्ठ अधिकारी पर उनके पूर्व सहयोगी ने यौन शोषण, नस्लीय उत्पीड़न और धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। यह मामला न्यूयॉर्क की सुप्रीम कोर्ट में दर्ज किया गया है। मामले में आरोपी के रूप में 37 वर्षीय कार्यकारी निदेशक लोर्ना हजदिनी का नाम शामिल है। शिकायतकर्ता, जो बैंक की लीवरेज्ड फाइनेंस डिवीजन में काम करता था, ने आरोप लगाया है कि उसे महीनों तक मानसिक प्रताड़ना, यौन शोषण और नस्लीय टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। अदालत में दायर याचिका के अनुसार, आरोप है कि अधिकारी ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए शिकायतकर्ता पर निजी और पेशेवर दबाव बनाया। आरोप में यह भी कहा गया है कि उसे प्रमोशन और करियर ग्रोथ के नाम पर कई बार अनुचित मांगों का सामना करना पड़ा। शिकायत में दावा किया गया है कि पीड़ित को नस्लीय अपमान और अपमानजनक शब्दों का सामना करना पड़ा। साथ ही यह भी आरोप है कि विरोध करने पर उसे करियर खत्म करने और नौकरी से निकालने की धमकियां दी गईं। पीड़ित का कहना है कि बार–बार इनकार करने के बावजूद उसे मानसिक दबाव में रखा गया और प्रमोशन को लेकर शर्तें रखी गईं। बाद में उसने बैंक छोड़कर अन्य नौकरी तलाशने की कोशिश की, लेकिन कथित तौर पर उसे नकारात्मक रेफरेंस का सामना करना पड़ा। जेपी मॉर्गन ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि आंतरिक जांच में इन दावों के समर्थन में कोई सबूत नहीं मिला है। कंपनी के अनुसार, कई कर्मचारियों ने जांच में सहयोग किया, लेकिन शिकायतकर्ता ने पर्याप्त जानकारी साझा नहीं की। मुकदमे में पीड़ित ने मानसिक तनाव, आर्थिक नुकसान, प्रतिष्ठा को नुकसान और दंडात्मक मुआवजे की मांग की है। साथ ही उसने कार्यस्थल की नीतियों में बदलाव की भी अपील की है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

व्हाइट हाउस का सुरक्षा घेरा तोड़कर घुसा हमलावर! डिनर के समय फायरिंग की

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में 25 अप्रैल को हुए हाई–प्रोफाइल हमले का वीडियो अब सामने आया है। इस घटना की सिक्योरिटी फुटेज अमेरिकी अटॉर्नी जीनिन फेरिस पिरो ने सार्वजनिक की, जिसमें आरोपी की पूरी गतिविधि साफ दिखाई देती है। वीडियो के मुताबिक, 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन वाशिंगटन हिल्टन होटल में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन डिनर के दौरान सुरक्षा चेकपॉइंट को पार कर अंदर घुसता है और कथित तौर पर एक सीक्रेट सर्विस एजेंट पर बेहद करीब से गोली चला देता है।

एजेंट को सीने में गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट की वजह से उसकी जान बच गई। घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी कार्यक्रम में मौजूद थे। गोलीबारी होते ही उन्हें तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। बाद में ट्रंप और सीक्रेट सर्विस प्रमुख ने स्पष्ट किया कि घायल एजेंट फ्रेंडली फायर का शिकार नहीं हुआ था।

हमले से पहले की रेकी भी कैमरे में कैद जांच एजेंसियों ने एक और वीडियो जारी किया है, जिसमें आरोपी को हमले से एक दिन पहले यानी 24 अप्रैल को होटल के अलग–अलग हिस्सों, हॉलवे और जिम एरिया में घूमते देखा गया। इससे साफ है कि उसने पहले से योजना बनाकर रेकी की थी।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।